



@Qpatrika



@qaumipatrika
hindi



instagram.com/
qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 21 अक्टूबर 2026

VISIT:

www.qaumipatrika.in

Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बख्तर वर्ष 19 अंक 348 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

विजयादशमी: दिल्ली में हुआ रावण दहन



■ द्वारका में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को विजयादशमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न रामलीला मैदानों में राम-रावण युद्ध के मंचन के बाद रावण के पुतलों का दहन किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां दशहरा समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारका सेक्टर-10 में आयोजित दशहरा समारोह में पहुंचीं। यहां द्वारका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 221 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित आईपी एक्सटेंशन रामलीला समिति के दशहरा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रामलीलाओं का मंचन प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जीवंत रखने की परंपरा है। यह अत्याचार के अंत और असत्य पर सत्य की विजय का संदेश देता है।

भागवत का संबोधन राष्ट्र निर्माण और सामाजिक एकता का प्रेरक संदेश : मोदी

■ प्रधानमंत्री ने विजयादशमी भाषण की सराहना की, आत्मनिर्भरता, सेवा, चरित्र निर्माण और पंच परिवर्तन को बताया महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत के विजयादशमी संबोधन को अत्यंत प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि इसमें राष्ट्र की प्रगति, सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता और समाज के सशक्तीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार रखे गए हैं। उन्होंने सेवा और राष्ट्र निर्माण पर दिए गए जोर की सराहना करते हुए कहा कि ये संघ के स्वयंसेवकों के जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नागपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के विजयादशमी उत्सव पर भागवत का संबोधन प्रेरणादायी रहा। उन्होंने पंच परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इसे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। भागवत ने अपने संबोधन में आत्म-



जागरूकता, स्वदेशी, सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा विविधता के बीच एकता का संदेश देती है। समाज के विभिन्न वर्गों को अपनी पहचान बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता और आपसी

सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। भागवत ने पंच परिवर्तन को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता बताई। इसके पांच प्रमुख आयाम सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व-बोध एवं स्वदेशी और

नागरिक अनुशासन हैं। उन्होंने कहा कि इन सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने से ही समाज में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

उन्होंने परिवारों में जागरूकता, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और नागरिक अनुशासन को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण जरूरत बताया। उनके अनुसार, इन विषयों की प्रासंगिकता केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के दूसरे देश भी इनकी आवश्यकता महसूस कर रहे हैं।

मोहन भागवत ने संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान चलाए गए जनसंपर्क अभियान का उल्लेख करते हुए बताया कि संगठन ने देशभर के गांवों और शहरी बस्तियों तक पहुंचने का प्रयास किया। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया को भागवत के संबोधन में उठाए गए मुद्दों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है। संबोधन में राष्ट्र निर्माण के साथ सामाजिक जिम्मेदारी, व्यक्तिगत आचरण में सुधार और देश की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया।

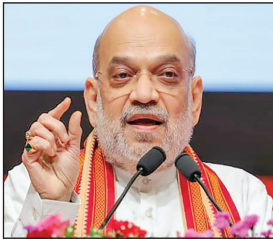
अमित शाह ने पंजाब सरकार पर साधा निशाना, बोले-

पंजाब में नशे की पुड़िया कैसे पहुंच रही?

- 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़े जाने का किया जिक्र
- नशे के खिलाफ आवाज उठाने वालों की मौत पर जताया दुख

लुधियाना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे के कारोबार को लेकर निशाना साधा। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि जब बंदरगाहों पर 20 हजार करोड़ रुपये की ड्रग पकड़ी गई, तो पंजाब में नशा पुड़िया बनकर कैसे पहुंच रहा है। उन्होंने राज्य में नशे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

विजयादशमी के अवसर पर लुधियाना पहुंचे शाह ने गुरदासपुर,



संगरूर और मानसा में नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों की मौत और आत्महत्या की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर के 40 वर्षीय विक्रमजीत सिंह, संगरूर के गुलजार सिंह और मानसा के परविंदर सिंह झोटा से जुड़े मामलों ने उन्हें गहरे तक झकझोर दिया है।

शाह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में कई दुखद घटनाओं के बाद पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है, लेकिन पंजाब के

लोगों की पीड़ा सुनकर उन्हें बेहद दुख हुआ। उन्होंने सवाल किया कि जिन परिवारों ने अपने बेटे, भाई या पति को खोया है, उन्हें पंजाब सरकार क्या जवाब देगी।

गृह मंत्री ने कहा कि वह पहले भी पंजाब में नशे के खिलाफ आयोजित भाजपा की रैली में कारोबार समाप्त करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के मुद्दे पर कार्रवाई के बजाय उन पर ही आरोप लगाए गए।

शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले में जो भी दोषी होगा, उसे तलाशकर कानून के हवाले किया जाएगा। उन्होंने पंजाब सरकार से नशे और चिट्ठे के कारोबार को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी मामले पर विपक्ष ने फडणवीस सरकार को घेरा

हमलावरों के आकाओं को कहीं से भी ढूंढकर निकालेंगे : फडणवीस

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम हुई गोलीबारी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। हमले में टाइगर बाल-

बाल बच गए, जबकि उनका चालक घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती है। टाइगर को भी हल्की चोटें आने की जानकारी सामने आई है। विश्वी दलों ने घटना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए राज्य में 'जंगलराज' होने का आरोप लगाया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमलावरों के आका कहीं भी छिपे हों, उन्हें बख्खा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में सक्रिय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि साजिश के मुख्य आरोपी राज्य से बाहर या विदेश में रहकर काम कर रहे हैं।



भारत-यूएई संबंध व्यापक रणनीतिक

साझेदारी के वादे पर खरे उतर रहे : जयशंकर

मुंबई, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के संबंध व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में लगातार मजबूत हो रहे हैं। मुंबई में यूएई के उपप्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और उनके उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया।

जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच लगातार संपर्क से द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली है। इस वर्ष जनवरी में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की भारत यात्रा, फरवरी में क्राउन प्रिंस शेख खालिद की भारत यात्रा और मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा ने संबंधों को गहराई को दर्शाया है।

उन्होंने बताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीपीए) के बाद

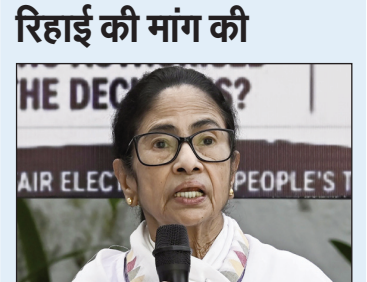


दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार पहुंच गया है। रक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ रहा है।

जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय चुनौतियों के बीच भारत संवाद और कूटनीति के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। भारत व्यापार, ऊर्जा और उर्वरकों की निर्बाध एवं सुरक्षित आपूर्ति के पक्ष में है। उन्होंने यूएई में भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए वहां के नेतृत्व का आभार भी जताया।

ममता बनर्जी ने सीजेपी

नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आरुतोष रांका और सौरव दास की तत्काल रिहाई की मांग की है। जंतर-मंतर पर कथित अनधिकृत प्रवेश के मामले में दोनों की न्यायिक हिरासत दो दिन बढ़ाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और इसे राज्य-प्रायोजित आतंकवाद करार दिया।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर आरोप लगाया कि युवाओं को निशाना बनाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई सुनिश्चित करनी चाहिए। दोनों नेताओं को 14 अक्टूबर को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। सोमवार को हिरासत की अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। दिल्ली पुलिस ने हिरासत बढ़ाने की मांग की, जिसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई। सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख रत्ना सिंह ने हिरासत बढ़ाने के फैसले पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष ने पर्याप्त कानूनी दलीलें पेश नहीं कीं। उन्होंने दोनों नेताओं की रिहाई की मांग की। मामला जंतर-मंतर पर कथित तौर पर बिना अनुमति प्रवेश करने से जुड़ा है। ममता बनर्जी ने अपनी पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए आवाज उठाने वालों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए।

बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान से टकराया पक्षी सभी 148 यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विशाखापत्तनम से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आईएक्स2065 पक्षी से टकरा गई। हालांकि, विमान ने मंगलवार को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरने में सफलता हासिल की। विमान में सवार सभी 148 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

लैंडिंग के बाद विमान को पार्किंग स्थल पर ले जाया गया। मानक सुरक्षा प्रक्रिया के तहत तकनीकी टीम ने विमान की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, ताकि उसके ढाँचे और इंजन को हुए संभावित नुकसान का पता लगाया जा सके। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इस बीच, पश्चिम एशिया में बदलते सुस्था हालात के कारण भारतीय विमानन कंपनियों ने सऊदी अरब के लिए कई उड़ानें अस्थायी रूप से रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने रियाद, जेद्दा तथा दम्माम के लिए उड़ानों का निर्लंबन 20 अक्टूबर तक बढ़ाया है। इंडिगो ने इन शहरों के साथ मदीना के लिए भी 24 अक्टूबर तक उड़ानें रद्द की हैं। अक्कास एयर ने रियाद के लिए 24 अक्टूबर और जेद्दा के लिए 21 अक्टूबर तक सेवाएं निर्लंबित रखी हैं।

22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे

अखिलेश यादव, आजम खान से जेल में करेंगे मुलाकात



रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को रामपुर आएंगे। इस दौरान वह जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा आजम खां के परिवार से भी मिलने का कार्यक्रम है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार, अखिलेश यादव सुबह 11 बजे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट से निजी विमान से रवाना होंगे। सुबह 11:45 बजे बरेली एयरपोर्ट पहुंचने के बाद 11:55 बजे हेलीकॉप्टर से रामपुर के लिए उड़ान भरेंगे। दोपहर 12:20 बजे जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से कार द्वारा जिला कारागार जाएंगे। दोपहर 12:45 बजे आजम खां से मुलाकात करेंगे।

इसके बाद दोपहर 1:45 बजे वह जेल रोड स्थित आजम खां के आवास पहुंचकर उनके परिवार से मिलेंगे। दोपहर 2:30 बजे आवास से रवाना होकर जौहर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए बरेली के लिए रवाना हो जाएंगे।

कुछ दिन पहले आजम खां की पत्नी और पूर्व सांसद तजीन फातिमा ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। उस दौरान अखिलेश ने जल्द रामपुर आने का आश्वासन दिया था। सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर ने बताया कि दौरे की तैयारियों का जा रही हैं।

कोलकाता के बाजार में भीषण आग, 15 दुकानें जलकर खाक

कोलकाता, (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के बाधा जतिन इलाके के एक बाजार में मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से करीब 15 दुकानें जलकर खाक हो गईं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15 गाड़ियों को लगाया गया। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आग मंगलवार सुबह करीब चार बजे पूजा सामग्री बेचने वाली एक दुकान में लगी थी। देखते ही देखते आग

ने आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकलकर्मी और नेताजी नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की गाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई।

दमकलकर्मीयों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे बाजार के दूसरे हिस्सों में फैलने से रोका। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। शुरूआती अनुमान में करीब 15 दुकानों के जलने की बात



मणिपुर में आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के 3 जवान घायल

गोलीबारी में तीन ग्रामीणों की मौत

इंफाल, (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में रविवार देर रात हुए आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, इंफाल पूर्व से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई, चार लोग घायल हुए और तीन के लापता होने की सूचना है। पुलिस के अनुसार, विस्फोट सिंगजामई थाने के पास ककवा लंदाईबंग लंपक इलाके में हुआ। घायल जवानों की पहचान सी. पूनमबलम (58), रमेश कुमार (57) और पबित्रा कुमार जेना (56) के रूप में हुई है। तीनों को इलाज के लिए इंफाल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक लहरी दोरजी ल्हाटू ने बताया कि पुलिस मामले में मिले सुरागों की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में प्रदूषण से निपटने के लिए शीतकालीन कार्ययोजना तैयार, 1 नवंबर से पाबंदियां लागू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सर्दियों में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए 1 नवंबर से 28 फरवरी तक शीतकालीन कार्ययोजना लागू करने की तैयारी की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसके तहत वाहनों, निर्माण कार्यों और कार्यालयों से जुड़े कई उपायों की जानकारी दी है।

योजना के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) के बिना ईंधन नहीं देने की नीति लागू की जाएगी। दिल्ली के बाहर से आने वाले बीएस-6 से कम मानक वाले वाहनों के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है।



मुख्यमंत्री के अनुसार, निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर रोक, निर्माण स्थलों की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और कार्यालयों में 50

प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम करने की व्यवस्था जैसे उपाय भी शामिल हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रदूषण

पर नियंत्रण के लिए सरकार के साथ नागरिकों की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने इलेक्ट्रिक बसों, मेट्रो सेवाओं, अंतिम छोर तक सार्वजनिक परिवहन की सुविधा और साइलेंस वाहन व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि दिल्ली सर्दियों के प्रदूषण से निपटने के लिए समय रहते कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य परिवहन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण को कम करना तथा लोगों को स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूत करना है।

पश्चिमबंगाल: भगदड़में गलत आंकड़ेफैलानेपर एक गिर तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कुचबिहार जिले से एनल हक को गिरफ्तार किया है। उस पर उत्तर कोलकाता के चोरबागान दुर्गा पूजा पंडाल में 3 दिन पहले हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या को लेकर सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। शनिवार शाम हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 25 अन्य घायल हो गए थे। एनल हक ने दावा किया था कि हादसे में 60 लोग मारे गए हैं, जबकि आधिकारिक आंकड़ा 19 मौतों का था। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि एनल को सोमवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा और सोशल मीडिया पर झूठी सूचनाओं के प्रसार पर भी चिंता व्यक्त की।

दिल्ली-मुंबई एस्प्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा: पीएसआई समेत तीन युवकों की मौत,कार के उड़े परखच्चे

भरुच । भरुच के पास दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे में पुलिस सब–इंस्पेक्टर (पीएसआई) यश पटेल समेत तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा मनुवर गांव के पास उस समय हुआ, जब वडोदरा से भरुच की ओर जा रही एक कार आगे चल रहे टैंपो से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कार में कुल चार लोग सवार थे। कार दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर मनुवर गांव के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे टैंपो से टकरा गई। टक्कर के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। इस दर्दनाक हादसे में वडोदरा में पीएसआई के पद पर तैनात यश पटेल, पार्थ पटेल और असफाक मोमिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, कार में सवार चौथे व्यक्ति के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने क्षतिग्रस्त कार से लोगों को बाहर निकालने और राहत कार्य शुरू करने की कार्रवाई की। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और हाईवे पर सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, दुर्घटना के सटीक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

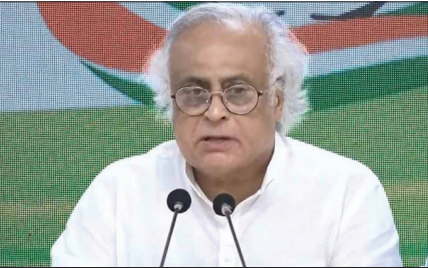
दिल्लीमें कॉकरोच के पुतला दहनपर विवाद, एडवोकेट बलराज मलिक का विरोध

नई दिल्ली ।दिल्ली के पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति द्वारा दशहरे पर रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाद के पुतलों के साथ 30 फुट ऊंचे कॉकरोच के पुतले के दहन की घोषणा पर विवाद छिड़ गया है। इस मामले मे एडवोकेट बलराज मलिक के विरोध किया है। समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक अशोक गोयल के अनुसार, कॉकरोच का पुतला गंदगी और अस्वच्छता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली का संदेश देना, समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। वहीं बलराज मधोक ने कॉकरोच को आम जनता का प्रतीक बताया है। सारे देश में कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन चल रहा है। आयोजकों की इस पहल के पीछे आयोजकों की राजनीतिक मंशा बताया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कॉकरोच का पुतला जलाया गया तो वह रामलीला समिति के जो आयोजक हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे और इस तरह के कृत्य का विरोध करेंगे।

मनरेगा की जगह वीबी-जी राम जी: सामाजिक सुरक्षा पर सर्जिकल स्ट्राइक

-कांग्रेस का आरोप- कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को बिकसित कार्टेज फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम (वीबी-जी राम जी) से बदलने के कदम को ग्रामीण भारत के सामाजिक सुरक्षा तंत्र पर एक सर्जिकल स्ट्राइक बताया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा में सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि यह बदलाव ग्रामीण मजदूरों को मिलने वाले आवश्यक सहारे को कमजोर कर देगा। सोशल मीडिया पोस्ट में कांग्रेस नेता रमेश ने महाराष्ट्र की गंभीर स्थिति का हवाला दिया, जहां बीड सहित कई जिलों में बीते एक दशक का सबसे भीषण सूखा पड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस तरह के बेहद चुनौतीपूर्ण समय में, मनरेगा ग्रामीण आबादी के लिए जीवनरेखा और सुरक्षा की गारंटी प्रदान करता था। लेकिन, इस प्रतिष्ठित योजना को वीबी-जी राम जी से बदलना, ग्रामीण भारत को एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच से वंचित करने जैसा है।



विस्तृत जमीनी जांच का हवाला देकर कांग्रेस नेता रमेश ने चौंकाने वाले आरोप लगाए। रिपोर्ट के अनुसार, कई ग्रामीणों को महीनों से कोई काम नहीं मिला है, जबकि सरकारी दस्तावेजों में उन्हें काम पर लगा हुआ दिखाया गया है। उन्होंने दावा किया कि लोकल राजनेता, जो कथित तौर पर सत्ताधारी दल से जुड़े हैं, मजदूरों की मेहनत की कमाई को हड़प रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि मजदूरों की मजदूरी की व्यवस्थित चोरी करार दिया।

शिवा हत्याकांड की मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे नागपुर से गिरफ्तार

- 11 दिन से चल रही थी फरार, बहन रश्मि और झाइवर भी पकड़े गए

लखनऊ। लखनऊ के कैफे संचालक शिवा शर्मा की सदृश्व मौत के मामले में मुख्य आरोपी श्रद्धा दुबे को उत्तर प्रदेश पुलिस ने महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को एक फ्लैट पर छपा मारकर श्रद्धा के साथ उसकी बहन रश्मि दुबे और झाइवर को भी पकड़ा। तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद से फरार श्रद्धा की तलाश में उत्तर प्रदेश पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) जुटी हुई थीं। अब उसे ट्रांजिट रिमांड पर लखनऊ लाने की तैयारी है। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे सड़क मार्ग से आयाग होते हुए नागपुर पहुंची थी। वहां एक परिचित के फ्लैट में उसके ठहरने की व्यवस्था की गई थी। एसटीएफ ने उसकी लोकेशन ट्रैस की और नागपुर पुलिस की मदद से गिरफ्तारी की कार्रवाई की। मंगलवार को टीम ने फ्लैट पर छपा मारकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि श्रद्धा अपनी बहन और झाइवर के साथ लगातार बुर्का पहनकर यात्रा कर रही थी, ताकि पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बच सके। बताया जा रहा है कि वह अग्रिम जमानत लेने की कोशिश भी कर रही थी। हालांकि, इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।



एसटीएफ की मदद से मिली कामयाबी
श्रद्धा की गिरफ्तारी के लिए लखनऊ पुलिस को उत्तर प्रदेश एसटीएफ का सहयोग मिला। मंगलवार को ही एसटीएफ को उसकी तलाश तेज करने के निर्देश दिए गए थे। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच लखनऊ पुलिस ही करेगी। गिरफ्तारी के बाद अब आरोपी से पूछताछ और मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पड़ताल की जाएगी।

चौथी मंजिल से गिरकर हुई थी शिवा की मौत

लखनऊ के हजरतगंज स्थित अवध ग्रीन अपार्टमेंट में 9 अक्टूबर 2026 को कैफे संचालक शिवा शर्मा की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। घटना के बाद शिवा के परिजनों ने इसे हत्या बताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस के अनुसार, श्रद्धा दुबे करीब 11 दिनों से फरार थी।

एससीओ में भारत का आह्वान: आतंकवाद के पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करें

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद को शांति और विकास के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक बताकर इसके पूरे तंत्र को सामूहिक रूप से समाप्त करने का सशक्त आह्वान किया है। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशान्बे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में सही नहीं ठहराया जा सकता, और इससे निपटने में दोहरे मापदंड नहीं दिया सकते हैं। राजनाथ सिंह ने जोर दिया कि आतंकवादियों को आर्थिक मदद देने, उनका समर्थन करने या उन्हें सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध

करने वालों को कोई जगह नहीं होनी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद न केवल निर्दोषों की जान लेता है, बल्कि निवेश और व्यापार को भी प्रभावित करता है, समाज को कड़तरा की ओर धकेलता है, और युवाओं को अवसरों से वंचित करता है। उन्होंने बिश्केक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संगठन के लिए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों के आह्वान को दोहराया। राजनाथ सिंह ने इन स्तंभों को एक-दूसरे का पूरक बताया, जहां सुरक्षा निवेश के अवसर पैदा करती है, संपर्क व्यापार को बढ़ावा देता है और इन दोनों के माध्यम से लोगों के लिए नए अवसर तैयार होते हैं। भारत ने ताशकंद में

सार्वभौमिक केंद्र और दुशांबे में मादक पदार्थ विरोधी केंद्र को एससीओ की स्थायी संस्थाएं बनाने के फैसले का स्वागत किया, हालांकि उनकी उपयोगिता आपसी तालमेल और कार्य निष्पादन की गति पर निर्भर करेगी। क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच बेहतर समन्वय और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है। आर्थिक सहयोग पर अपने दृष्टिकोण को साझा करते हुए, राजनाथ सिंह ने समावेशी भागीदारी की वकालत की, जिससे प्रत्येक सदस्य देश को लाभ मिले। उन्होंने मजबूत और संकटों का सामना करने में सक्षम आपूर्ति श्रृंखलाएं बनाने, व्यापार व निवेश को आसान बनाने तथा विकास के लिए

प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर जोर दिया। आर्थिक सहयोग का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचना चाहिए। साझा समृद्धि के लिए संपर्क व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए, भारत ऐसी संपर्क परियोजनाओं का समर्थन करता है जो बाजारों को जोड़ें, व्यापार को आसान बनाएं और विकास के नए अवसर पैदा करें, जैसे कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा और चाबहार बंदरगाह। हालांकि, रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी संपर्क परियोजनाएं परास्पर्शी और उनमें शामिल प्रत्येक देश की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान पर आधारित होनी चाहिए, क्योंकि इन सिद्धांतों का सम्मान न करने वाली परियोजनाएं टिकाऊ नहीं हो



सकतीं।

आशुतोष-सौरवकी कस्टडी बढ़नेपर भड़कीं ममता बनर्जी... देश में लोकतंत्र पर हमला, सीजेपी ने ममता को कहा धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमसी प्रमुख और बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आशुतोष और सौरव की हिरासत बढ़ाए जाने पर सवाल उठाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। वहीं सीजेपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके समर्थन के लिए आभार जताया। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की कस्टडी बढ़ाए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने पोस्ट कर दोनों की तत्काल रिहाई की मांग की। ममता के बयान पर सीजेपी के आधिकारिक हैंडल से प्रतिक्रिया देकर लिखा, ‘मैम, आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।’

पंजाब में अमित शाह ने पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

- विक्रमजीत और गुलजार सिंह के परिजनों को न्याय का दिलाया भरोसा

गुरदासपुर, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंजाब दौरे के दौरान नशाखोरी के खिलाफ आवाज उठाने के बाद जान गंवाने वाले

विक्रमजीत और गुलजार सिंह के परिवारों से मुलाकात की। शाह करीब 20 दिने के भीतर दूसरी बार पंजाब पहुंचे हैं। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर के जरिए वे सीधे गुरदासपुर पहुंचे, जहां उन्होंने दोनों पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। केंद्रीय मंत्री शाह सबसे पहले विक्रमजीत के घर पहुंचे। विक्रमजीत की 15 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बताया गया कि उन्होंने इलाके बाद उनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद गृहमंत्री संगरूर जिले के तूर वंजारा गांव पहुंचे और गुलजार सिंह के परिजनों से मुलाकात की।

गुलजार सिंह ने पंजाब के वित्तमंत्री हरपाल सिंह चौमा की सभा में नशे के मुद्दे पर सवाल उठया था। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर परेशान किया गया। बाद में उन्होंने जहर खा लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। शाह ने करीब 10 से 12 मिनट तक उनके परिवार के साथ बातचीत की और घटनाक्रम की जानकारी ली। गुलजार सिंह के बेटे ने अपने पिता की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन उनके अनुसार मुख्य आरोपी सातए जा रहे हरपाल सिंह का नाम एफआईआर में शामिल नहीं है। परिवार ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग भी उठाई। परिजनों की मांग पर शाह ने भरोसा दिलाया कि जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन्हें सजा दिलाई जाएगी।



मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े उलझे

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों की स्थिति पर विवाद गहराता जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले रिकॉर्ड स्तर पर हैं लेकिन डेंगू के मामलों में एमसीडी ने असामान्य गिरावट दिखाई है। इसी विरोधाभास ने अब एमसीडी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के सवालों के बाद एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना ही बंद कर दिया है। एमसीडी की ओर से जारी अंतिम साप्ताहिक रिपोर्ट (4 अक्तूबर) के अनुसार, दिल्ली में अब तक मलेरिया के 431 और चिकनगुनिया के 76 मामले दर्ज किए गए जो पांच वर्षों में सर्वाधिक हैं। डेंगू के केवल 840 मामले दर्ज दिखाए गए हैं जबकि 2024 में इसी अवधि तक यह संख्या 1,630 और 2023 में 2,701 थी। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मलेरिया के मामले



डेंगू में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह रुझान एडीज मच्छर के व्यवहार के विपरीत है क्योंकि यही मच्छर डेंगू और चिकनगुनिया दोनों फैलाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब

मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो उन्हीं मच्छरों से फैलने वाला डेंगू अचानक आधा कैसे हो गया। क्या यह डेटा संग्रह में तकनीकी त्रुटि है या किसी स्तर पर मामले दर्ज ही नहीं किए जा रहे। सात अक्तूबर के बाद से एमसीडी की

कोई नई साप्ताहिक रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। परंपरा के मुताबिक हर सोमवार को एमसीडी मच्छर जनित रोगों की स्थिति रिपोर्ट जारी करती थी जो मीडिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों के लिए प्रमुख स्रोत मानी जाती थी। अब रिपोर्ट जारी न होने से डेटा की पारदर्शिता पर और प्रश्न खड़े हो गए हैं। विपक्षी पार्षदों का कहना है कि जैसे ही मीडिया और विपक्ष ने आंकड़ों में गड़बड़ी पर सवाल उठाने शुरू किए एमसीडी ने रिपोर्ट प्रकाशित करना रोक दिया। आप के वरिष्ठ पार्षद व नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि जब अस्पतालों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और मीडिया ने आंकड़ों पर सवाल उठाए तब एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना बंद कर दिया। पार्टी का कहना है कि यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदारी से बचनेकरने के बारे में बृहस्पतिवार को ही मालूम हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित तौर पर रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं।

मलेरिया-चिकनगुनिया रिकॉर्ड स्तर पर है लेकिन डेंगू गायब क्यों। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि अब मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े नहीं छुपाने देगी। उन्हें रिपोर्ट जारी नहीं आंकड़ों में गड़बड़ी पर सवाल उठाने शुरू किए एमसीडी ने रिपोर्ट प्रकाशित करना रोक दिया। आप के वरिष्ठ पार्षद व नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि जब अस्पतालों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और मीडिया ने आंकड़ों पर सवाल उठाए तब एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना बंद कर दिया। पार्टी का कहना है कि यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदारी से बचनेकरने के बारे में बृहस्पतिवार को ही मालूम हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित तौर पर रिपोर्ट जारी करने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ़ेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ़ेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में

जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखाता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है।

दिन में सिहरन महसूस कराएंगी ठंडी हवाएं

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठंडी हवाएं चल रही है। ऐसे में सोमवार को आसमान अधिकतर साफ रहेगा। सुबह के समय कुछ जगहों पर हल्का कोहरा रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 और 09 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम ठंडक का अहसास होगा। साथ ही, दिन में ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेगी।
इधर, रविवार को सुबह से ही मौसम में

 NAME CHANGE	 I, hithern known as DEBIVA MEHTA D/O AMAR SINGH MEHTA W/O HEMANT MEHRA R/O Flat No. 1102, Premium Tower Block-H, Officer City-2, Raj Nagar Extension, PO: Raj Nagar Extension, District Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed my name and shall hereafter be known as DIVYA MEHTA.
 NAME CHANGE	 I, SHIVANI SINGH GAMBHIR W/O HARPREET SINGH GAMBHIR R/O,1531,TOWER-D,101th AVENUE,GAUR CITY-2,SECTOR-16 C,GREATER NOIDA,GAUTAM BUDH-4 NAGAR,UTTAR PRADESH-201306,HAVE CHANGED MY NAME TO SHIVANI CHAUHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES.
 NAME CHANGE	 I, LALITA alias KM LALITA D/O NAIPAL SINGH R/O J-405, 4th Floor, Tower-J, Plot No Gh-02, Rg Residency, Sector-120, Noida, Po: Noida, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as LALITA SINGH.
 सार्वजनिक सूचना	 श्री टेकराज आरित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड से 292 वर्ग गज के एक मकान/संपत्ति के संबंध में ख़ा मंग रहे हैं, जो खेवट संख्या 268, खाता संख्या 292, बख़्तर संख्या 73/2 (15-6) के अंतर्गत आता है, जिसमें से 87/2754 भाग, जो 0 कानून 9 माला 6 सरासई के बराबर है, ग्राम तितारा, उप-तहसील बजौराबद, जिला पुरुषोत, हरियाणा में स्थित है, जिसे आगे उक्त संपत्ति कहा गया है। श्री जगराज, श्री बलराज और श्री हंसराज ने अपने दिवंगत पिता की ममता द्वारा निष्पक्षित वसीयत के अनुसार उत्तराधिकार और उत्तरविराजत (विरासत इंतकाल संख्या 157) के माध्यम से उक्त संपत्ति में स्वामित्व प्राप्त किया है। इसके अलावा यह भी बताया गया है कि श्री जगराज और श्री बलराज ने उक्त संपत्ति में अपने-अपने अधिभाजित हिस्से श्री हंसराज के पक्ष में हस्तांतरित/त्यागने के लिए मौखिक रूप से सहमति व्यक्त की है। हालांकि, उक्त मौखिक समझौता लिखित रूप में दर्ज नहीं किया गया है, और श्री हंसराज के पक्ष में उनके संबंधित हिस्सों के हस्तांतरण या त्याग की स्थापित करने वाला कोई दस्तावेजी साक्ष्य या पंजीकृत दस्तावेज वर्तमान में उपलब्ध नहीं है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उधार, ऋण, उत्तराधिकार, गृहणाधिकार, या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कायलान के पक्ष पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों की अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ ​​कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मामलों के साथ किसी कोटि के पुरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।
 मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी	 मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स, एलएलपी 1-132, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017, have changed my name to JHABA DEVI permanently.
 Corporate Office:	 5, Bahadurshah Zafar Marg JTO, New Delhi-110002
 फोन :	 011-41509689, 23315814
 मोबाइल नंबर :	 9312262300
 E - mail address:	 qpatrika@gmail.com Website: www.guampatrika.in
 R.N.I. No.	 UP-HIN/2007/21472
 Legal Advisors:	 Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P.Singh Advocate Mamun Shumra Advocate Pooja Bhaskar Sharma

के औसत से 2 डिग्री कम है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 41 प्रतिशत रही। वहीं, रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

गाजियाबाद , बुधवार 21 अक्टूबर 2026

मच्छरजनित बीमारियों के आंकड़े उलझे

नई दिल्ली। दिल्ली में मच्छरजनित बीमारियों की स्थिति पर विवाद गहराता जा रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि इस साल मलेरिया और चिकनगुनिया के मामले रिकॉर्ड स्तर पर हैं लेकिन डेंगू के मामलों में एमसीडी ने असामान्य गिरावट दिखाई है। इसी विरोधाभास ने अब एमसीडी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्ष के सवालों के बाद एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना ही बंद कर दिया है। एमसीडी की ओर से जारी अंतिम साप्ताहिक रिपोर्ट (4 अक्तूबर) के अनुसार, दिल्ली में अब तक मलेरिया के 431 और चिकनगुनिया के 76 मामले दर्ज किए गए जो पांच वर्षों में सर्वाधिक हैं। डेंगू के केवल 840 मामले दर्ज दिखाए गए हैं जबकि 2024 में इसी अवधि तक यह संख्या 1,630 और 2023 में 2,701 थी। आंकड़ों के अनुसार, इस साल मलेरिया के मामले



डेंगू में लगभग 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह रुझान एडीज मच्छर के व्यवहार के विपरीत है क्योंकि यही मच्छर डेंगू और चिकनगुनिया दोनों फैलाता है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब

मामले लगातार बढ़ रहे हैं तो उन्हीं मच्छरों से फैलने वाला डेंगू अचानक आधा कैसे हो गया। क्या यह डेटा संग्रह में तकनीकी त्रुटि है या किसी स्तर पर मामले दर्ज ही नहीं किए जा रहे। सात अक्तूबर के बाद से एमसीडी की

कोई नई साप्ताहिक रिपोर्ट जारी नहीं हुई है। परंपरा के मुताबिक हर सोमवार को एमसीडी मच्छर जनित रोगों की स्थिति रिपोर्ट जारी करती थी जो मीडिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य विभागों के लिए प्रमुख स्रोत मानी जाती थी। अब रिपोर्ट जारी न होने से डेटा की पारदर्शिता पर और प्रश्न खड़े हो गए हैं। विपक्षी पार्षदों का कहना है कि जैसे ही मीडिया और विपक्ष ने आंकड़ों में गड़बड़ी पर सवाल उठाने शुरू किए एमसीडी ने रिपोर्ट प्रकाशित करना रोक दिया। आप के वरिष्ठ पार्षद व नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि जब अस्पतालों में डेंगू मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी और मीडिया ने आंकड़ों पर सवाल उठाए तब एमसीडी ने साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना बंद कर दिया। पार्टी का कहना है कि यह प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है।

युवक और उसके ममेरे भाई की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला के शास्त्री पार्क इलाके में बृहस्पतिवार देर रात एक युवक और उसके ममेरे भाई की हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतकों को शिराच्छा 25 साल के उमाम उर्फ उभम और 27 साल के नदीम के रूप में हुई है। दोनों इलाके में अचेत अवस्था में पड़े थे। पुलिस ने दोनों को पास के अस्पताल में लेकर गई जहां उमाम को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि नदीम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच के बाद पुलिस रॉजिश की आशंका जता रही थी। फूटैज खंगालने के बाद पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने रुपये के लाल-देन के विवाद में उन्हें गोली मारी थी। जानकारी के मुताबिक उमाम अपने परिवार के कैलाश नगर में रहता था। वहीं नदीम उसके मामा का बेटा था। नदीम अपने परिवार के साथ रहता था। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात सर्विस रोड पर एक युवक के अचेत पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस ने देखा कि युवक के पेट से खून निकल रहा है। पुलिस उसे लेकर जगप्रवेश अस्पताल पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर ही रही थी कि पुलिस को फल मंडी इलाके में

एक अन्य युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की जानकारी मिली। पुलिस उसे लेकर अस्पताल ले गई, जहां से डॉक्टरों ने उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। उसकी पहचान कैलाश नगर निवासी नदीम के रूप में हुई। जांच में पता चला कि दोनों युवक आपस में रिश्तेदार हैं। नदीम उमाम का ममेरा भाई है। परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि उमाम का कुछ दिन पहले कुछ लड़कों से विवाद हुआ था। शुरुआत में पुलिस ने आपसी रंजिश में हत्या की आशंका बताई। इसी बीच दूसरे घायल नदीम की जीटीबी अस्पताल में इलाज के दौरान

मौत हो गई। पुलिस ने विजय विहार लोनी निवासी 23 साल के असरफ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से पिस्टल, तीन कारतूस और वारादात में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली। आरोपी ने बताया कि उनके बीच पैसों का विवाद था। उमाम के पिता मोहम्मद मियां ने बताया कि रात करीब दस बजे उमाम को किसी ने फोन कर बुलाया था। फोन आने के बाद वह अपने ममेरे भाई नदीम को साथ लेकर पैदल ही घर से निकल गया। पिता का कहना है कि उमाम का किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, कुछ दिन पहले कुछ लड़कों से उसका विवाद हो गया था।

पहले 7 हजार रुपये देकर जीता भरोसा, फिर 5.60 लाख की ठगी; गूगल ल्यू के नाम पर साइबर फ्राड

आगरा। आगरा में साइबर गंों ने गूगल पर रिच्वू करने के बदले कमाई का झांसा देकर सिकंदरा क्षेत्र के एक युवक से 5.60 लाख रुपये ठग लिए। पीडॉित ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शास्त्रीपुरम निवासी प्रतीक राठीर ने बताया कि 19 सितंबर को काव्हादसएप पर ईशा नाम की युवती ने संपर्क किया। युवती ने ऑनलाइन गूगल रिच्वू करने का काम देकर कमाई का भरोसा दिलाया। शुरुआत में काम के बदले 7000 रुपये दिए। इससे उन्हें भरोसा हो गया। अधिक रुपये कमाने के लिए रकम का निवेश करने की कहने लगी। उन्होंने एक्सिस बैंक के खाते से यूपीआई व अन्य माध्यम से 5,60,500 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए। उन्हें टेलीग्राम पर एक ग्रुप से टास्क दिए जाते थे। ग्रुप में विक्रम नाम के सदस्य समेत अन्य लोग उन्हें रकम लगाने और टास्क पूरा करने के निर्देश देते थे। टास्क से होने वाला मुनाफा एक लिंक पर दिखाई देता था। जब लिंक खुलना बंद हो गया और एरर आने लगा, तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ।

सांसद मुकेश राजपूत पर एफआईआर, बहन-पत्नी और बेटे समेत 38 नामजद

कासगंज। एमपी-मण्डलए कोर्ट के आदेश पर थाना सहावर पुलिस ने फर्रुखाबाद से सांसद मुकेश राजपूत, उनकी बहन रीना राजपूत, पत्नी सौभाग्यवती, बेटों, सुरक्षा गाड़ी समेत 38 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ बलवा, लूट और घर में घुसकर जालेवा हमला करने जैसी गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। गांव लक्ष्मीपुर निवासी सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य लक्ष्मण सिंह की तहरीर प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता लक्ष्मण सिंह के अनुसार, उनका तीन मंजिला मकान अवंतीबाई नगर में स्थित है। उनके बेटे रवींद्र कुमार की शादी रीना राजपूत से हुई थी, जो फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत की सगी बहन हैं। शादी के बाद से ही रीना अपने सांसद भाई के प्रभाव का दबाव बनाकर परिवार को प्रताड़ित करती आ रही थी। करीब एक वर्ष पूर्व सांसद और उनके सहयोगियों ने मकान की दुकान पर जबरन कब्जा करवा दिया था। 7 सितंबर 2025 को रीना राजपूत ने विवाद के बाद फर्जी वीडियो बनावाकर मायके फोन किया। उसी शाम करीब 8 बजे सांसद के इशारे पर दर्जनों हथियारबंद लोगों ने घर को घेर लिया। डर के मारे परिवार के अन्य सदस्य पलाने जान बचाकर भागे, जबकि पीडॉित बुजुर्ग पहले माले पर ही फंसे रह गए। हमलावरों ने कटर से लोहे के दरवाजे और ताले काट दिए। पीडॉित ने रातभर अपनी लाइसेंस रायफल से खुद को बचाया और पुलिस को फोन करते रहे। आरोप है कि सांसद के राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस ने पीडॉित की मदद नहीं की। 8 सितंबर की सुबह पुलिस उलटे पीडॉित के बेड़े राजेश को पकड़कर ले गई और रायफल जब्त कर चालान कर दिया। जब पीडॉित की कैसर पीडॉित बेटी प्रीति और पत्नी जानकी देवी घर पहुंचीं तो आरोपियों ने उन्हें लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। इसके बाद घर के अलमारियों व बक्सों के ताले तोड़कर लूटपाट की गई। आरोपी लगभग 50 लाख रुपये, आभूषण, मकान के बैनराम, मुकदमे की फाइलें, चेकबुक, पासबुक, शैक्षणिक प्रमाण पत्र लूट ले गए। सख्त मिटाने के लिए घर में जंगे सोसीटीवी कैमरे तोड़ दिए गए और डीसीआर उखाड़कर ले गए। तब उनकी पत्नी और बेटी किसी तरह जान बचाकर अपने पैतृक गांव लक्ष्मीपुर पहुंचीं तो मलमलारों ने वहां भी पहुंचकर उनके साथ मारपीट की। पीडॉित की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। तब उन्होंने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सहावर को प्राथमिकी दर्ज कर निष्पक्ष विवेचना करने के आदेश दिए थे। फर्रुखाबाद सांसद मुकेश राजपूत, उनकी पत्नी सौभाग्यवती, पुत्र अर्पित व अंकित, दो सुरक्षा गाड़ी, बहन रीना राजपूत, भाई राकेश, दिनेश उर्फ नन्दे, संजीव, सुधाकर प्रधान, ओमसरन वर्मा (भट्ठा वाले) सहित कुल 38 नामजद समेत 50 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलनेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बाठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव गंगला गालू निवासी सखदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डैबैट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिस कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीडॉित के 78,920 रुपये भी होल्ड कर दिए हैं। बुराई से निवासी धर्मेन्द्र के 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापूर से टूरिस्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेन्द्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंगेजमेंशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा।

 NAME CHANGE	 I, NAUSHAD ALI S/O AHEMAD HASAN R/O L-387, STREET NO.8, JANTA MAJDOOR COLONY, BABARPUR, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME TO NOUSHAD ALI FOR ALL FOR FUTURE PURPOSES.
 NAME CHANGE	 I, SWATI GUPTA W/O KARAN GUPTA R/O KK3, KAVI NAGAR, GHATIAABAD-201002, UTTAR PRADESH, HAVE CHANGED MY NAME TO SWATI AGARWAL FOR ALL PURPOSE
 NAME CHANGE	 I, SHASHI MAHESHWARI W/O MANOJ KUMAR R/O H.NO 6 GALI NO 6 NEAR BALAJI MANDIR BRAHAMPURI NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO SHASHI BALA PERMANENTLY
 NAME CHANGE	 I, Gulshan Kumar Walla, S/O Jagdish Chander Walla, R/O F -103, Tower- 12, BPTP Park Floor, 2nd Sector -76, Khari Kalan, Faridabad, Haryana- 121002 have changed my name to Gulshan Walla for all future purposes.
 NAME CHANGE	 It is for general information that I, REHAN MONDAL S/O SAIUL MONDAL R/O House No-8, Street No-7, Geeta Colony, Gandhi Nagar, Gandhi Nagar East, NCT Of Delhi-110031 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as SAIULL and ARCHANA in my 10th class educational documents and SAIJUL and ARCHANA in my 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are SAJUL MONDAL and BABY MONDAL respectively which may be amended accordingly.
 NAME CHANGE	 I, MOHAMMAD SALIM SON OF WASIL KHAN R/O V-76, GALI NO-23, B VILAY PARK MAJUPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD SAAL-IM FOR ALL FUTURE PURPOSE
 NAME CHANGE	 I, GULAM RASOOL BHATT S/O HABIBULA RASOOL R/O JG-2/33, GROUND FLOOR, KHIRKI EXTN, MALVIYA NAGAR, DELHI-110047 have changed my name to GULAM RASOOL for all purposes.
 NAME CHANGE	 I, JHABA W/O Jalpat Singh Bhandari R/O Bt-818, Flat Pvt No.1, 3rd floor, South Ganesh Nagar, Patparganj, Delhi - 110094, I HAVE CHANGED MY NAME TO BRIJENDRA NATH SRIVASTAVA

हरियाणा में चौटाला परिवार में फिर सियासी घमासान; दिग्विजय का अभय पर वार, INLD को बताया क्रिमिनल और गुंडा तत्वों की पार्टी

एजेंसी सिरसा। हरियाणा की राजनीति में चौटाला परिवार के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। जननायक जनता पार्टी के नेता दिग्विजय सिंह चौटाला ने अपने चाचा और इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला पर तीखा हमला बोला है।दिग्विजय चौटाला ने अभय चौटाला की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए उन पर प्रदेश में डर का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने इनेलो को क्रिमिनल और गुंडा तत्वों की पार्टी करार देते हुए कहा कि पार्टी की छवि खराब करने के लिए अभय चौटाला जिम्मेदार हैं।दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि अभय चौटाला का मानसिक संतुलन खो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अभय चौटाला हर दिन प्रदेश में खौफ फैलाने का काम करते हैं। दिग्विजय ने कहा कि ऐसे लोगों की वजह से ही प्रदेश की राजनीति और पार्टी का सत्यानाश हुआ है। उन्होंने देवीलाल के जमाने से लेकर अब तक इनेलो की छवि खराब होने के लिए भी अभय चौटाला को जिम्मेदार ठहराया।दिग्विजय चौटाला ने अपने बयान में कहा कि अभय चौटाला ने पार्टी का बंटधार कर दिया है। उनके मुताबिक, राजनीति में जनता के मुद्दों पर बात होनी चाहिए, न कि लोगों को डराने और धमकाने का माहौल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अभय चौटाला से इस तरह की राजनीति बंद करने की नसीहत भी दी।

दिग्विजय चौटाला ने दी जवाब देने की चेतावनी
अपने चाचा को जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि वे अभी सभी बातें सार्वजनिक नहीं करना चाहते, लेकिन अगर अभय चौटाला उन्हें मजबूर करेंगे तो वे भी चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने हाथों में चूड़ियां नहीं पहनी हुई हैं और जरूरत पड़ने पर हर बात का जवाब देना जानते हैं।दिग्विजय चौटाला ने अभय चौटाला को अपनी सीमा में रहने की चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें अपनी लिमिटेड क्राॅस नहीं करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर उनके बारे में किसी तरह की टिप्पणी की जाएगी तो उसका जवाब भी जरूर दिया जाएगा।

त्योहारी सीजन में मिलावटखोरों पर शिकंजा...रोहतक में फूड सेफ्टी विभाग की छापेमारी, 80 किलो खराब खोया नष्ट कराया

एजेंसी रोहतक। त्योहारी सीजन में मिठाइयों की बढ़ती मांग के बीच खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए फूड सेफ्टी विभाग ने कच्चा बेरी रोड पर छापेमारी की। इस दौरान विभाग की टीम ने करीब 80 किलो खराब खोया बरामद किया। प्राथमिक जांच में खोए में खामियां मिलने के बाद अधिकारियों ने इसे अपने सामने ही नष्ट करवा दिया। वहीं, खोए का सैपल लेकर जांच के लिए लैब में भेजा गया है।

त्योहारी सीजन में बाजारों में मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटी और खराब खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए



विभाग की ओर से कार्रवाई की जा रही है। कच्चा बेरी रोड पर की गई छापेमारी के दौरान बरामद खोए की गुणवत्ता की जांच की गई। प्राथमिक जांच में कमियां मिलने के कारण इसे खाने योग्य नहीं माना गया और नष्ट करवा दिया गया।

इसके अलावा फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने शहर में करीब एक दर्जन मिठाइयों की दुकानों से भी सैपल लिए हैं। इन सैपलों को जांच के लिए लैब में भेजा गया है। अधिकारियों के अनुसार, लैब की रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों में खामियां मिलने पर संबंधित दुकानदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाना है।

221 फीट का रावण, 34 लाख की लागत; Haryana में आज जलेगा देश का सबसे ऊंचा रावण, देखने उमड़ेगी लोगों की भीड़



एजेंसी कैथल।देशभर में आज 20 अक्टूबर को दशहरा यानी विजयादशमी का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन जगह-जगह रावण और उसके दो भाइयों मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले

एजेंसी धमनहेड़ी देश से विदेशों में बेहतर भविष्य की तलाश में जाने वाले युवाओं से जुड़ी एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है। गांव धमनहेड़ी के रहने वाले करीब 20 वर्षीय मुसलमानों का सामना कर रहा दो महीने पहले की कंकनजीत को इंग्लैंड भेजा था। परिवार को पूरा भरोसा था कि वह विदेश में कड़ी मेहनत करके घर की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद करेगा। लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि उसकी यह विदेश यात्रा आखिरी साबित होगी।

जमीन बेचने के विरोध में थी चचेरे भाई की पत्नी, फौज से कोटमार्शल देवर ने कर दी भाभी की हत्या

एजेंसी पंचकूला।राष्ट्रपति के गोद लिए गांव दोहला में टीचर की पत्नी की हत्या करने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। महिला की हत्या उसके चचेरे देवर ने अपने दो साथियों के साथ की थी। हत्या के पीछे जमीन का विवाद सामने आया है जहां आरोपी जमीन को बेचना चाहता था, लेकिन उसकी भाभी नीतू इस जमीन को बेचने के हक में नहीं थी। इसको लेकर उनके बीच काफी वर्षों से विवाद चला आ रहा था और एक साल पहले उनके बीच झगड़ा भी हुआ था।

इसके बाद से ही आरोपी ने अपनी भाभी को रास्ते से हटाने की योजना बनाई और अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए थे। हत्या से गुस्साए परिजनों ने सोहना-गुड़गांव रोड भी जाम कर दिया था। ऐसे में पुलिस पर आरोपियों की गिरफ्तारी का अत्याधिक दबाव होने के कारण मामले की जांच में अपराध शाखा की पांच टीमों को लगाया गया था जिसके सोहना अपराध शाखा ने मुख्य आरोपी मृतका के देवर संदीप को गिरफ्तार किया जिससे पूछताछ के



बाद अपराध शाखा की टीमों को रुड़की भेजा गया जहां से वारदात में शामिल दो अन्य आरोपियों को

गिरफ्तार किया गया।एसीपी क्राइम-1 नवीन शर्मा ने पत्रकारवार्ता कर बताया कि

दोस्त हो तो ऐसा! ईश्वर नैन के निधन के बाद भाई की तरह परिवार के साथ खड़े रणदीप सुरजेवाला, हरियाणा में दोस्ती की मिसाल की चर्चा

एजेंसी गुरुग्राम।कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला और ईश्वर नैन दनौदा कलां की दोस्ती आज हरियाणा में चर्चा का विषय बनी हुई है। मित्र से बढ़कर भाई का रिश्ता निभाने वाले सुरजेवाला अपने पुराने साथी के निधन के बाद परिवार के दुख में शामिल होने के लिए लगातार उनके घर पहुंच रहे हैं। दोनों परिवारों के बीच भी वर्षों पुरानी मित्रता रही है। दोस्ती की मिसाल जब भी दी जाएगी, तो उसमें ऐसे दोस्तों का जिक्र जरूर होगा, जो सुख के समय ही नहीं, बल्कि दुख की घड़ी में भी एक-दूसरे के साथ चढ़ान की तरह खड़े रहते हैं।

जौंद जिले में इन दिनों ऐसी ही दोस्ती की चर्चा हो रही है। यह दोस्ती है कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला और

निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से परिवार, रिश्तेदारों, समर्थकों और राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर

क्षति माना जा रहा है। लेकिन इस दुखद घटना के बीच जिस रिश्ते की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, वह है रणदीप सिंह

सुरजेवाला और ईश्वर नैन की गहरी मित्रता का।

मित्र से बढ़कर भाई मानते थे रणदीप सुरजेवाला

रणदीप सिंह सुरजेवाला और ईश्वर नैन दनौदा कलां के बीच लंबे समय से गहरे मित्रतापूर्ण संबंध रहे। दोनों की मित्रता केवल राजनीतिक या सामाजिक गतिविधियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसे पारिवारिक रिश्ते जैसी आत्मीयता के रूप में भी देखा जाता था। सुरजेवाला, ईश्वर नैन को मित्र से बढ़कर भाई मानते थे।ईश्वर नैन के निधन की खबर मिलने के बाद सुरजेवाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भावुक संदेश लिखकर अपने मित्र को श्रद्धांजलि दी।

उनकी पंक्तियों में एक ऐसे व्यक्ति का दर्द झलकता है, जिसने अपना करीबी साथी खो दिया हो।

हरियाणा सरकार की सरख्ती: निजी मेडिकल व पैरामेडिकल कॉलेजों को निर्देश, तय फीस से ज्यादा वसूली की तो होगी कड़ी कार्रवाई

हरियाणा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय, पंचकूला ने राज्य के सभी निजी मेडीकल, डेंटल, नर्सिंग, फिजियोथैरेपी और पैरा मेडीकल कॉलेजों तथा संस्थानों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

एजेंसी चंडीगढ़।हरियाणा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय, पंचकूला ने राज्य के सभी निजी मेडीकल, डेंटल, नर्सिंग, फिजियोथैरेपी और पैरा मेडीकल कॉलेजों तथा संस्थानों के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशक धीरेंद्र खड़गटा (आई.ए.एस.) द्वारा जारी इस आदेश में सभी संबंधित संस्थानों को सरकार द्वारा संबंधित पाठ्यक्रमों एवं शैक्षणिक सत्रों के लिए निर्धारित व अधिसूचित फीस संरचना (शुल्क ढांचे) का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं।मांग, संग्रह या वसूली नहीं करेगा। निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि कोई भी निजी संस्थान किसी भी छात्र या उनके माता-पिता से सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित या अधिकृत राशि से अधिक किसी भी नाम

आरोपी संदीप से पूछताछ में सामने आया कि वह आर्मी में था, लेकिन उसका कोटमार्शल हो गया। उनकी पारिवारिक करीब 8 कनाल जमीन को वह बेचना चाहता था। इसके लिए उसने अपने चचेरे भाई को मना लिया था, लेकिन उसकी भाभी नीतू नहीं मान रही थी। ऐसे में उनकी जमीन नहीं बिक पा रही थी। इसको लेकर उसका करीब एक साल पहले झगड़ा भी हुआ था। इस झगड़े के बाद उसने अपनी भाभी को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया और अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर पूरी वारदात को अंजाम देने के लिए रेकी करनी शुरू कर दी। उसे पता था कि उसका भाई प्राइवेट स्कूल में टीचर है और वह अपने साथ बच्चों को भी स्कूल ले जाता है। इस दौरान उसकी भाभी घर पर अकेली होती है।इसी का फायदा उठाकर उसने पूरी वारदात को अंजाम देने का प्लान बनाया। वारदात के दिन वह अपने दो दोस्तों के अविनाश और अनुज के साथ अपने चचेरे भाई के घर सुबह 9 बजे गया था, लेकिन उस वक्त उसकी भाभी नीतू फोन पर बात कर रही थी। ऐसे में वह वापस आ गया।

रामभक्ति की अनूठी मिसाल: दिन में ओएसडी के पीए, रात में प्रभु श्रीराम की सेवा: सुशील गर्वाण निभा रहे हैं श्रवण कुमार का किरदार

एजेंसी हरियाणा।दिन के वक्त सचिवालय में ओएसडी के निजी सहायक की बड़ी जिम्मेदारी संभालना और रात ढलते ही पूरी निष्ठा के साथ प्रभु श्रीराम की सेवा में समर्पित हो जाना—यह प्रेरणादायक कहानी है सुशील गर्वाण की। रामलीला और सनातन संस्कृति के प्रति अटूट प्रेम का ऐसा ही उदाहरण पेश कर रहा है हरियाणा का गर्वाण परिवार, जिसकी रामलीला के प्रति श्रद्धा और समर्पण की चर्चा हर तरफ हो रही है।

वर्ष 2000 से निरंतर दे रहे हैं सेवा
सुशील गर्वाण साल 2000 से लगातार रामलीला में अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। इस बार वे मंच पर श्रवण कुमार की

बेहद भावुक भूमिका निभाकर दर्शकों का मन मोह रहे हैं। इससे पहले वे रामलीला में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के अनुज लक्ष्मण की भूमिका भी बखूबी निभा चुके हैं। अभिनय के अलावा इस वर्ष उन्होंने ताड़िका, मंथरा और मामा मारीच जैसे चुनौतीपूर्ण पात्रों का मंचन कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया है। वे मंचन के साथ-साथ एक कर्मठ आयोजन कार्यकर्ता के रूप में भी लगातार योगदान दे रहे हैं।

संस्कारों और परंपरा की मिसाल है गर्वाण परिवार
सुशील गर्वाण का पूरा परिवार पीढ़ियों से प्रभु श्रीराम की सेवा में जुटा हुआ है। उनके पिता कुंवर लाल गर्वाण रामलीला के वरिष्ठ उपप्रधान के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

या रूप में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कोई शुल्क, शुल्क-अंश, जमा या अन्य राशि की निदेशालय द्वारा सभी संस्थानों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि सरकार द्वारा निर्धारित फीस संरचना को संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए।

साथ ही छात्र से ली गई प्रत्येक राशि के लिए



उचित रसीद जारी करना और वसूल किए गए सभी शुल्कों का पूरा रिकॉर्ड बनाए रखना अनिवार्य किया गया है। निदेशालय ने साफ कर दिया है कि निर्धारित शुल्क संरचना का उल्लंघन या इसमें किसी भी प्रकार का विचलन पाए जाने पर संस्थान के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कुरुक्षेत्र में नशा तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, दो आरोपी काबू; 40 लाख का नशीला पदार्थ बरामद

एजेंसी कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस व नशा तस्करी के आरोपियों के बीच सोमवार देर शाम को मुठभेड़ हुई जिसमें एक आरोपी को काबू किया गया। दूसरे आरोपी को मंगलवार सुबह को पैर में गोली मारकर काबू किया गया। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के कुशल मार्गदर्शन में शाहबाद पुलिस ने नशा तस्करी के आरोपी को गौरव वासी जन्धेडी को काबू किया गया। आरोपियों की कार की तलाशी लेने पर कार से करीब 40 लाख रुपये कीमत का 200 ग्राम चिट्ठा बरामद हुआ। मंगलवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में घायल आरोपी संजू वासी कैथल को आदेश हस्पताल में दाखिल करवाया गया। जानकारी देते हुए थाना शाहबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र

सिधु ने बताया कि दिनांक 19 अक्टूबर 26 को शाम को पुलिस चौकी शहर शाहबाद चौकी प्रभारी

में स्मैक/चिट्ठा बेचने गांव जन्धेडी से अनाज मंडी शाहबाद से होते हुए शाहबाद आयेगें। यदि जन्धेडी



पीएसआई मांगे राम, सहायक उप निरीक्षक गजराज, प्रवीन कुमार, मुख्य सिपाही साजेंट की टीम एरिया में गस्त पर थी। पुलिस टीम को सूचना मिली कि गौरव वासी जन्धेडी व संजू वासी कैथल स्मैक/ चिट्ठा बेचने का काम करते हैं। आज भी दोनों अपनी कार नम्बर एचआर-33-सी-1435

से अनाज मंडी शाहबाद के बीच में नाकाबंदी करके आरोपियों को काबू किया जा सके तो आरोपियों ने नशीला पदार्थ बरामद हो सकता है। सूचना पर पुलिस टीम ने जंधेडी रोड पर नहर के पास पहुंचकर नाकाबंदी करके निगरानी शुरू कर दी। थोड़ी देर बाद पुलिस टीम को एक कार

चाचा लखविंदर ने नम आंखों से बताया कि इस अचानक हुए हादसे ने परिवार के सारे सपनों को चकनाचूर कर दिया है। घर में एक तरफ फरवरी में होने वाली बहन की शादी की तैयारियां चल रही थीं, वहीं दूसरी तरफ भाई की इस आकस्मिक मौत ने खुशियों को मातम में बदल दिया है। कंवलजीत अपने पीछे एक भाई

और एक बहन को रोता-बिलखता छोड़ गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित परिवार ने सरकार और प्रशासन से पुरजोर अपील की है कि इस मुश्किल समय में उनकी मदद की जाए और कंवलजीत के शव को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए ताकि परिवार वाले उसका अंतिम संस्कार कर सकें।



त्योहारी सीजन में नाफेड बेचेगा बफर स्टॉक से दालें

अक्टूबर अंत तक 1.9 लाख टन मूंग बाजार में उतारी जाएगी
नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में दालों की बढ़ती कीमतों और मांग को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने अहम कदम उठाया है। राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) अब अपने बफर स्टॉक से बड़ी मात्रा में दालें खुले बाजार में बेचेगा। इसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करना और बाजार में पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। सरकार न नाफेड के विभिन्न केंद्रों को इस संबंध में सख्त निर्देश जारी किए हैं और एक निश्चित समय-सीमा भी तय की गई है। योजना के तहत नाफेड को अक्टूबर के अंत तक लगभग 1.9 लाख टन मूंग दाल बाजार में उतारने का लक्ष्य दिया गया है। यह कदम बाजार में दालों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और खुदरा कीमतों पर लगाम कसने के लिए उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह मूंग दाल साल 2025 के बफर स्टॉक का हिस्सा है, जिसे कुछ तकनीकी कारणों से पहले जारी नहीं किया जा सका था। इस पहल से त्योहारी खरीदारी के दौरान उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गिरे सोने के दाम

विजयादशमी पर्व के अवसर पर बुलियन बाजार बंद

मुंबई ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति बैठक से पहले निवेशकों में सतकता का माहौल है, जिसके चलते मंगलवार को एशियाई बाजारों में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, भारत में जारी त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने घरेलू सोने के भावों को सहारा दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय कमजोरी का असर सीमित रहा। अंतरराष्ट्रीय हाज़िर बाजार में सोना 0.3 फीसदी गिरकर 4,126.84 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, वहीं दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर भी 0.3 फीसदी टूटकर 4,146 डॉलर प्रति औंस पर रहा। भारत में विजयादशमी के अवसर पर मंगलवार को बुलियन बाजार बंद हैं, जबकि मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शाम के सत्र में कारोबार होगा। इससे पहले सोमवार को भारत में 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 400 रुपए बढ़कर 1,50,300 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार की मजबूती और त्योहारी सीजन की शुरुआत से खुदरा मांग बढ़ने के कारण घरेलू बाजार में सोने को समर्थन मिला है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिवाली से पहले खुदरा मांग में और वृद्धि हो सकती है, जिससे कीमतों को और समर्थन मिलेगा। पिछले सप्ताह घरेलू बाजार में तीन महीने से अधिक समय में पहली बार सोना प्रीमियम पर कारोबार करता नजर आया था, जो ग्राहकों की बढ़ी हुई खरीदारी का संकेत है। चांदी का भाव लगातार दूसरे सत्र में 2.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहा।

भारत में स्मार्टफोन की बिक्री 26 प्रतिशत गिरकर 3.58 करोड़ पहुंची

2026 की तीसरी तिमाही 2016 के बाद सबसे कमजोर

नई दिल्ली ।

ओम्पिडया की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्मार्टफोन की बिक्री 2026 की तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत गिरकर 3.58 करोड़ इकाई रह गई है। यह 2016 के बाद से किसी भी तीसरी तिमाही की सबसे कम बिक्री है, जो त्योहारी सीजन के बावजूद बाजार की धीमी गति को दर्शाता है। रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान सैमसंग 67 लाख इकाइयों की मामूली एक फीसदी गिरावट के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया, जबकि उसकी बाजार हिस्सेदारी 19 फीसदी रही। वीवो 64 लाख इकाइयों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। वहीं, शाओमी की बिक्री 28 फीसदी घटकर 47 लाख इकाई और ओपो की बिक्री 24 फीसदी गिरकर 49 लाख इकाई रह गई, जिससे प्रमुख चीनी कंपनियों को बड़ा झटका लगा। एप्पल 39 लाख इकाई की बिक्री के साथ शीर्ष पांच में शामिल रही, जिसमें 20 फीसदी की गिरावट देखी गई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि ऑनलाइन बिक्री के लिए नए मॉडलों की कमी, किफायती फोनों की सीमित उपलब्धता और प्रचार योजनाओं के बीच अंतर घटने से पारंपरिक त्योहारी लाभ कम हुआ। सितंबर में आमतौर पर भंडार जुटाने के बावजूद, इस बार बिक्री की रफ्तार कमजोर रही।

पेप्सिको के खाद्य कारोबार को त्योहारी सीजन में अच्छी बिक्री की उम्मीद

का-कोला के बॉटलर ने दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली ।

भारत में त्योहारी सीजन खाद्य और पेय कंपनियों के लिए उत्साहजनक दिख रहा है। पेप्सिको इंडिया अपने खाद्य कारोबार में पिछले साल के समान मजबूत वृद्धि की उम्मीद कर रहा है, जो नए उत्पादों और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद पर केंद्रित है। वहीं

कोका-कोला की प्रमुख बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज ने मौजूदा त्योहारी सत्र में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज करने की घोषणा की है। पेप्सिको इंडिया की एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कंपनी त्योहारी सत्र में उपभोक्ताओं की विविध पसंद को ध्यान में रखते हुए स्नेक्स, स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर और प्रीमियम उत्पादों की पेशकश का विस्तार कर रही है। ई-कॉमर्स पर रेडी-टू-ईट उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने और भारतीय

बाजार में गिरावट के बाद म्युचुअल फंडों का इक्विटी पर बढ़ा भरोसा

म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में बढ़ा रहे हैं अपना निवेश

नई दिल्ली ।

हालिया बाजार गिरावट के बाद आकर्षक मूल्यांकन का फायदा उठाते हुए म्युचुअल फंड तेजी से इक्विटी, विशेषकर लार्ज-कैप शेयरों में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। यह रुझान परिसंपत्ति आवंटन और बाजार के सेंटिमेंट इंडिकेटर में स्पष्ट रूप से दिख रहा है, जो निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। शेयर बाजार में हालिया सुधार के बावजूद म्युचुअल फंडों का झुकाव इक्विटी, खासकर लार्ज-कैप शेयरों की ओर मजबूत हुआ है। एसबीआई म्युचुअल फंड

की 15 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार लार्ज-कैप शेयरों में फैली अत्यधिक निराशा अब एक संभावित तेजी का संकेत दे रही है, क्योंकि यह निराशा मुख्य रूप से इन्हीं शेयरों तक सीमित है। विपरीत दृष्टिकोण से, यह लार्ज-कैप में बेहतर रिटर्न के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना रही है। रिपोर्ट बताती है कि निफ्टी 50 पर तीन साल का वार्षिक रिटर्न 6 फीसदी तक गिर गया है, जो 2020 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसके बावजूद, आय सुधार में 53 फीसदी की बहाली और मजबूत आईपीओ गतिविधियां बाजार के



लिए सकारात्मक संकेत दे रही हैं। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ का इक्विटी मूल्यांकन इंडिकेटर भी सितंबर के अंत तक 99.9 के स्तर पर था, जो इक्विटी में निवेश के प्रति सकारात्मक होने के करीब है। म्युचुअल फंडों का इक्विटी के प्रति यह बढ़ता

सकारात्मक रुख बैलेंस्ड एडवांटेज फंडें (बीएफ) के इक्विटी निवेश से साफ झलकता है। बीएफ, जो बाजार के मूल्यांकन के आधार पर इक्विटी और डेट के बीच अपना आवंटन बदलते रहते हैं, अब डेट सिक्योरिटीज की हिस्सेदारी कम करके इक्विटी आवंटन बढ़ा रहे हैं।

चॉइस एमएफ ने लॉन्च किया लार्ज एंड मिड कैप फंड

500 रुपए की एसआईपी से लार्ज और मिड कैप कंपनियों में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

निवेशकों को बड़ी और मझोली कंपनियों में निवेश का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से चॉइस म्युचुअल फंड ने चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जिसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 अक्टूबर मंगलवार से शुरू हो चुका है और 3 नवंबर तक सर्बस्क्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। यह फंड उन निवेशकों के लिए है जो बाजार पूंजीकरण के लिहाज से बड़ी और मझोली दोनों तरह की कंपनियों में निवेश करके पूंजी वृद्धि और आय अर्जित करना चाहते हैं। एनएफओ के दौरान, निवेशक न्यूनतम

1,000 रुपये से इस फंड में निवेश शुरू कर सकते हैं, जबकि सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से मासिक किस्तें न्यूनतम 500 रुपये से शुरू होंगी। स्कीम डायरेक्ट और रेगुलर दोनों प्लान में उपलब्ध है, जिनमें गोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विट्‌ड्राॅल (आईडीडब्ल्यूसी) विकल्प शामिल हैं। फंड मैनेजर के नेतृत्व में यह स्कीम निफ्टी लार्ज मिडकैप 250 टोटल रिटर्न इंडेक्स को बेचमाक करेगी। यूनिट आवंटन के दिन से एक साल के भीतर पैसा निकालने पर 1 फीसदी एग्जिट लोड लगेगा। पोर्टफोलियो आवंटन की बात करें तो फंड अपनी कुल संपत्ति का 70 से



100 फीसदी हिस्सा शेयरों और उनसे जुड़े साधनों में लगाएगा। इसमें बड़ी कंपनियों के शेयरों में 35 से 65 फीसदी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भी 35 से 65 फीसदी निवेश किया जाएगा। शेष 0 से 30 फीसदी राशि डेट इंस्ट्रुमेंट्स, मनी मार्केट इंस्ट्रुमेंट्स और सोने-चांदी से जुड़े निवेश साधनों में तथा 0 से 10 फीसदी

इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट्स) की इकाइयों में निवेश की जा सकती है। फंड का लक्ष्य ऐसी कंपनियों में निवेश करना है जिसकी औसत से ज्यादा वृद्धि की संभावना हो, मजबूत बाजार पकड़ हो और अच्छी वित्तीय स्थिति हो। फंड हाउस के अनुसार, यह योजना बहुत ज्यादा जोखिम की श्रेणी में आती है।

जस्ट डायल का मुनाफा 9.7 फीसदी घटकर 107.8 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

स्थानीय खोज सेवा प्रदाता जस्ट डायल लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में गिरावट का सामना करना पड़ा है। कंपनी का एकीकृत मुनाफा सालाना आधार पर 9.73 प्रतिशत घटकर 107.8 करोड़ रुपए रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से परिचालन खर्च में हुई तीव्र वृद्धि के कारण हुई, जबकि कंपनी के राजस्व में वृद्धि दर्ज की गई। जस्ट डायल लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछली समान तिमाही में कंपनी ने 119.44 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। हालांकि, समीक्षधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 13.11 प्रतिशत बढ़कर 342.82 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 303.07 करोड़ रुपए था। इस अवधि में कंपनी का कुल खर्च भी 14.6 प्रतिशत बढ़कर 262.81 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जिसने लाभ को प्रभावित किया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के खुदरा कारोबार की इकाई, रिलायंस रिटेल वेंचर्स के स्वामित्व वाली जस्ट डायल की कुल आय दूसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत बढ़कर 397.38 करोड़ रुपए रही। सोमवार को बीएसई पर कंपनी का शेयर 2.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 732.55 रुपए पर बंद हुआ।

एसबीआई म्युचुअल फंड का छोटे शहरों पर फोकस

23,000 बैंक शाखाओं से जोड़ेगा नए निवेशक

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी म्युचुअल फंड कंपनी एसबीआई म्युचुअल फंड ने छोटे शहरों और बी-30 बाजारों (30 अग्रणी शहरों के बाहर के क्षेत्र) में अपनी पहुंच बढ़ाने की नई रणनीति अपनाई है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी अपनी मूल इकाई भारतीय स्टेट बैंक के 23,000 से अधिक शाखाओं वाले व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाकर नए निवेशकों को जोड़ने पर विशेष ध्यान देगी। मेहता ने ऐसे समय में बिक्री विभाग की कमान संभाली है जब शेयर बाजार की चुनौतीपूर्ण स्थितियों और नई कंपनियों के प्रवेश से म्युचुअल फंड उद्योग की वृद्धि धीमी हुई है और प्रतिस्पर्धा भी तेज हो गई है। उन्होंने जोर दिया कि बी-30 बाजार एसबीआई म्युचुअल फंड के लिए प्राथमिकता बनें हुए हैं। कंपनी का लक्ष्य बैंक के साथ मिलकर काम करते हुए म्युचुअल फंड को जन-जन तक आसानी से पहुंचाना और उद्योग में नए ग्राहकों को जोड़ना है। एसबीआई म्युचुअल फंड छोटे शहरों में



अपनी शाखाओं की संख्या बढ़ाने की भी योजना बना रहा है, जहां कई भागीदार फंड हाउस के साथ सीधे जुड़ना पसंद करते हैं। वर्तमान में कंपनी लगभग 300 शाखाओं और 1,000 से अधिक सेल्स प्रोफेशनल्स की टीम के जरिये करीब 1,25,000 वितरकों को सेवाएं दे रही है। उन्होंने बताया कि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर केवल नए निवेशकों की धारणा पर पड़ता है, जबकि पुराने निवेशक इसके आदी हो चुके हैं। कंपनी निवेशकों को लंबे समय तक निवेशित रहने के महत्व को समझाने पर केंद्रित है। भौतिक उपस्थिति के साथ-साथ, फंड हाउस अपनी डिजिटल पहुंच को भी मजबूत कर रहा है, जिसका उदाहरण वित्त वर्ष 2026 में देखने को मिला जब उद्योग में जुड़े 80 लाख नए निवेशकों में लगभग 8.5% एसबीआई एमएफ के डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आए।

निजी बैंकों में भारी बिकवाली ने बाजार को खींचा नीचे

पीएसयू बैंक ने दिखाया दम, तकनीकी स्तर पर अहम मोड़ पर निपटी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को दो सत्रों की तेजी पर ब्रेक लग गया। वैश्विक संकेतों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और तिमाही नतीजों की चिंताओं के बीच प्रमुख सूचकांक निफ्टी 1.11 फीसदी से अधिक टूटकर 22,900 के अहम स्तर से नीचे बंद हुआ। इस तेज गिरावट ने बाजार की हालिया रिकवरी की मजबूती पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार सितंबर तिमाही के नतीजों से जुड़ी अनिश्चितताएं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें गिरावट के मुख्य कारण रहीं। तकनीकी रूप से भी, निफ्टी अपने 20-दिवसीय एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज (ईएमए) से नीचे फिसल गया और 38.2 फीसदी फिबोनाची रिट्रेसमेंट स्तर को पार नहीं कर पाया, जो रिकवरी की कमजोर पड़ती रफ्तार को दर्शाता है। सेक्टरवार प्रदर्शन मिला-जुला रहा। निजी बैंकों के शेयरों में भारी मुनाफावसूली देखने को मिली, जिसमें एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव डाला। हालांकि, सरकारी बैंकों ने विपरीत रुझान दिखाते हुए मजबूत प्रदर्शन किया। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स करीब 2.3 फीसदी उछला, जिसमें पीएनबी और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया जैसे शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। ब्रॉड मार्केट भी कमजोर रहा, मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स दोनों गिरे। तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक, निफ्टी के लिए 22,730-22,750 पर तत्काल मजबूत सपोर्ट है, जबकि 23,000-23,030 ऊपरी रुकावट का काम करेगा। 22,730 के नीचे निर्णायक गिरावट 22,600 तक दबाव बढ़ा सकती है, वहीं 23,030 के ऊपर टिकने से ही तेजी की रफ्तार लौट सकती है।

एसएलएमजी बेवरेजेज का पांच साल में 20,000 करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

कंपनी का तीन-चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत में कोका-कोला की सबसे बड़ी बॉटलिंग कंपनी एसएलएमजी बेवरेजेज (अगले पांच सालों में अपने कारोबार को बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना बना रही है। कंपनी आगे तीन से चार साल में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी में है। यह जानकारी कंपनी के एक वे रिष्ठ

अधिकारी ने मंगलवार को दी। वर्तमान में लगभग 9,000 करोड़ रुपये का सकल कारोबार करने वाली एसएलएमजी बेवरेजेज अगले तीन साल में इसे 15,000 करोड़ रुपये से अधिक करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी पिछले चार साल से 20 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रही है। अपनी विस्तार योजनाओं के तहत, कंपनी बिहार के बक्सर में 1,200 करोड़ रुपए और उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में

1,000 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। उन्होंने बताया कि यूपी और बिहार में घोषित 5,000 करोड़ रुपए के निवेश को अगले तीन साल में पार कर लिया जाएगा। यह निवेश विशेषकर छोटे शहरों और ग्रामीण बाजारों में बढ़ती पेय पदार्थों की मांग को पूरा करने पर केंद्रित है। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 15 कोका-कोला बॉटलिंग कंपनियों में से एक एसएलएमजी अगले पांच साल में शीर्ष 10 में शामिल होना चाहती



है। कंपनी अपनी वर्तमान 35,000 बोटल प्रति मिनट (बीपीएम) की बॉटलिंग क्षमता में अगले पांच साल में 10,000 बीपीएम की अतिरिक्त क्षमता जोड़ेगी, जिसका लक्ष्य अगले दशक में 1 लाख बीपीएम तक पहुंचना है।

पाकिस्तान ने आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 3.65 प्रतिशत किया

औद्योगिक व सेवा क्षेत्र में नरमी प्रमुख वजह, आर्थिक लक्ष्य से पीछे रहने का संकेत

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को मामूली रूप से संशोधित करते हुए 3.65 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में आई हल्की सुस्ती के मद्देनजर किया गया है, जो पहले के 3.70 प्रतिशत के अनुमान से कम है। राष्ट्रीय लेखा समिति (एनएससी) की हालिया बैठक में इस संशोधन को मंजूरी मिली, जो पहले मई में चार प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत किया गया था। नए अनुमानों के अनुसार कृषि क्षेत्र 3.50 प्रतिशत की वृद्धि देखेगा, जबकि औद्योगिक क्षेत्र 3.34 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र 3.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगा। इन दोनों प्रमुख क्षेत्रों में पिछली अपेक्षाओं से कुछ नरमी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष



(आईएमएफ) ने पाकिस्तान के लिए 3.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 3.7 प्रतिशत की संभावना व्यक्त की है। संशोधित आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का आकार 450.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, और प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 1,896 डॉलर हो गई है। हालांकि, देश में असाधारण महंगाई के चलते आम लोगों की क्रय शक्ति पर विपरीत असर पड़ा है, जिससे डॉलर में आय बढ़ने के बावजूद उनके जीवन स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं दिख रहा है।



शामिल है। गुरुग्राम स्थित यह हेल्थकेयर चैन पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आठ अस्पतालों का संचालन करती है। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे।

ब्लैकरोक जैसे दिग्गज शामिल हैं। पारस हेल्थकेयर का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। इसके लिए 660 से 693 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। प्रस्तावित आईपीओ में 500 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जिसका उपयोग कंपनी का पूंजीकरण के लिए करेगी, साथ ही इसमें 950 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी

वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी ने 39 कोषों को 693 रुपए प्रति शेयर के प्रीमियम मूल्य पर कुल 94,15,584 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं, जिससे शेयर आबंटित किए हैं। इन प्रमुख एंकर निवेशकों में एसबीआई म्युचुअल फंड, एचडीएफसी म्युचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और

सीजेपी के विरोध में ‘लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय



सौरभ वार्ण्य

लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी आरोप का जवाब प्रमाण है और किसी विवाद का बेहतर समाधान संवाद है। सीजेपी हो या ‘लाल हिट जनता पार्टी’, दोनों के लिए असली चुनौती एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता साबित करना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, विरोध का विरोध करने की स्वतंत्रता भी बनी रहे और दोनों के बीच कानून, मर्यादा तथा जनहित की सीमाओं का सम्मान किया जाए।

देश की राजनीति में विरोध और प्रतिरोध की नई तस्वीर सामने आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अभिजीत दीपके से जुड़ी बताई जा रही कॉकरोच जनता पार्टी के मुकाबले ‘लाल हिट जनता पार्टी’ नाम से एक नए संगठन के सामने आने की खबर चर्चा का विषय बनी हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में इस संगठन की पहली सदस्यता बैठक आयोजित की गई, जिसमें शामिल लोगों ने सीजेपी, कांग्रेस और अन्य प्रदर्शनकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर यह बहस तेज कर दी है कि लोकतंत्र में विरोध की सीमा क्या होनी चाहिए और असहमति का जवाब किस तरीके से दिया जाना चाहिए। ‘लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रमुख और संयोजक अयान भटनागर के बयानों के मुताबिक, इस संगठन का उद्देश्य चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि सीजेपी और उसके विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ अपनी आवाज बूलंद करना है। उनका दावा है कि संगठन भविष्य की रणनीति तैयार करेगा और विभिन्न स्थानों पर छोटे-बड़े समूहों के माध्यम से अपनी बात रखेगा। उन्होंने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती भी दी है। उनके अनुसार, यदि विरोध करने वाले अपने विचारों को लेकर आश्वस्त हैं, तो उन्हें सार्वजनिक चर्चा के लिए आगे आना चाहिए। यह घटनाक्रम केवल दो संगठनों के बीच टकराव की कहानी नहीं है। इसके पीछे लोकतांत्रिक विरोध, राजनीतिक लामबंदी, जनमत निर्माण और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न मौजूद हैं। किसी संगठन का विरोध करना नागरिकों का अधिकार है, लेकिन उस विरोध की वैधता और प्रभाव का आकलन उसके नारों से नहीं, बल्कि उसके उद्देश्यों, तथ्यों और तरीकों से किया जाना चाहिए। लोकतंत्र में असहमति को दबाने के बजाय उसे सुनना और समझना आवश्यक है। किसी सरकारी संस्था, संवैधानिक पदाधिकारी या राजनीतिक दल के फैसलों से असहमति होने पर नागरिकों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने, अपनी बात रखने और सवाल पूछने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, किसी प्रदर्शन से असहमत नागरिकों को भी अपनी राय व्यक्त करने तथा उसके विरोध में शांतिपूर्ण अभियान चलाने का अधिकार है। इस दृष्टि से %लाल हिट जनता पार्टी’ का सामने आना विरोध की राजनीति के जवाब में एक दूसरे विचार के उभरने के रूप में देखा जा सकता है। यदि एक समूह किसी संवैधानिक पदाधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है, तो दूसरे समूह को उस प्रदर्शन की आलोचना करने से रोका नहीं जा सकता। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति इसी बहुलता में निहित है, जहां अलग-अलग विचारों को सामने आने का अवसर मिलता है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वैचारिक असहमति व्यक्तिगत आरोपों, अपमानजनक भाषा और एक-दूसरे को समाप्त करने की राजनीतिक मानसिकता में बदल जाती है। लोकतंत्र में किसी विचार का मुकाबला बेहतर तर्क से होना चाहिए, न कि केवल तीखे नारों और उत्तेजक नामों से। किसी संगठन की लोकप्रियता का



वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि वह जनता के सामने कौन-से तथ्य रखता है और जनहित के सवालों पर उसका दृष्टिकोण कितना स्पष्ट है। मीडिया रिपोर्टों में सीजेपी से जुड़े लोगों पर अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग प्राप्त करने जैसे आरोप लगाए जाने की बात सामने आई है। इन आरोपों को गंभीरता से देखा जा सकता है, लेकिन किसी भी आरोप को प्रमाण के बिना स्थापित तथ्य मान लेना उचित नहीं होगा। यदि किसी संगठन की गतिविधियों, वित्तीय स्रोतों या प्रदर्शनों के दौरान उसके आचरण को लेकर संदेह है, तो संबंधित तथ्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता किसी संगठनों के लिए आवश्यक है। जो संगठन जनता के नाम पर आंदोलन करते हैं, उनसे यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वे अपने उद्देश्यों, नेतृत्व, वित्तीय संसाधनों और गतिविधियों के संबंध में जवाबदेह रहें। लेकिन यही कसौटी उन संगठनों पर भी लागू होनी चाहिए जो विरोध प्रदर्शनों का प्रतिरोध करने के लिए सामने आते हैं। एक पक्ष पर लगाए गए आरोपों को दूसरे पक्ष की स्वतः निर्दोषता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। कानून का शासन इसी सिद्धांत पर आधारित है कि जांच तथ्यों के आधार पर हो, न कि राजनीतिक पसंद और नापसंद के आधार पर। यदि किसी संगठन को लेकर गंभीर शिकायत है, तो सक्षम संस्थाओं को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। आरोपों के आधार पर किसी समूह को दोषी घोषित करना न्यायपूर्ण लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। अयान भटनागर ने सीजेपी को खुली बहस की चुनौती दी है। यह पहल अपने आप में महत्वपूर्ण हो सकती है, बशर्ते बहस का उद्देश्य केवल एक-दूसरे को नीचा दिखाना न होकर जनता के सामने तथ्यों को स्पष्ट करना हो। लोकतंत्र में सार्वजनिक संवाद की संस्कृति कमजोर पड़ने का एक बड़ा कारण यह है कि राजनीतिक और वैचारिक समूह अक्सर विरोधी विचारों को सुनने के बजाय उन्हें पूरी तरह खारिज करने लगते हैं। यदि सीजेपी और %लाल हिट जनता पार्टी’ के प्रतिनिधि किसी सार्वजनिक मंच पर आमने-सामने बैठकर अपने विचार रखते हैं, तो जनता को दोनों पक्षों के तर्क समझने का अवसर मिल सकता है। ऐसी बहस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध के कारण, प्रदर्शन

की वैधता, निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवाल, राजनीतिक दलों की भूमिका और सार्वजनिक व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे विषय शामिल किए जा सकते हैं। हालांकि, बहस केवल चुनौती देने से सफल नहीं होती। इसके लिए तथ्यात्मक तैयारी, संयमित भाषा और विरोधी पक्ष को सुनने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। यदि दोनों समूह पहले से तय निष्कर्षों के साथ मंच पर आते हैं और केवल आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, तो उससे राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसके विपरीत, प्रमाणों और तर्कों पर आधारित संवाद लोकतंत्र को मजबूत कर सकता है। अयान भटनागर ने यह भी दावा किया है कि प्रदर्शनों के कारण कारोबारियों का धंधा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ कथित बदसलूकी का मुद्दा भी उठाया। इन शिकायतों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है, लेकिन व्यापक सिद्धांत स्पष्ट है कि किसी भी आंदोलन के दौरान आम नागरिकों के अधिकारों और सार्वजनिक सुविधाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए। बाजारों में काम करने वाले व्यापारी, दैनिक मजदूरी करने वाले श्रमिक, कार्यालय जाने वाले कर्मचारी, मरीज और विद्यार्थी किसी भी राजनीतिक विवाद के प्रत्यक्ष पक्षकार नहीं होते। यदि विरोध प्रदर्शनों के कारण यातायात बाधित होता है, दुकानों का कारोबार प्रभावित होता है या लोगों को आवश्यक सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाई होती है, तो इसका समाधान निकालना जरूरी है। इसका अर्थ यह नहीं कि कारोबार या यातायात में असुविधा का हवाला देकर हर प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन प्रदर्शन के लिए उचित स्थान, समय और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे तथा आयोजक कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखें। पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की कोई घटना नहीं है, तो उसकी निष्पक्ष जांच और कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। इसी प्रकार, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की रक्षा करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है। अयान भटनागर का यह कहना कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक फोन दे दें तो बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर आ सकते हैं, राजनीतिक लामबंदी की संभावनाओं की ओर संकेत करता

है। लेकिन किसी नेता के आह्वान पर भीड़ जुट जाना और किसी विचार को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ की संख्या किसी संगठन की वास्तविक सामाजिक स्वीकार्यता का एकमात्र प्रमाण नहीं हो सकती। जनसमर्थन का मूल्यंकन इस बात से भी होना चाहिए कि संगठन कितने समय तक सक्रिय रहता है, समाज के वास्तविक मुद्दों पर क्या योगदान देता है और अपने विचारों को कितनी स्पष्टता से प्रस्तुत करता है।

किसी भी राजनीतिक या सामाजिक संगठन की विश्वसनीयता उसके काम, व्यवहार और जवाबदेही से बनती है। यदि %लाल हिट जनता पार्टी’ वास्तव में सीजेपी की गतिविधियों का वैचारिक प्रतिरोध करना चाहती है, तो उसे अपने उद्देश्यों और कार्ययोजना को स्पष्ट करना होगा। केवल किसी विरोधी संगठन के खिलाफ खड़ा होना स्थायी राजनीतिक पहचान बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है। जनता यह भी जानना चाहेगी कि संगठन लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक अधिकारों, चुनावी पारदर्शिता और सार्वजनिक व्यवस्था जैसे सवालों पर क्या सोचता है।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में विचारों का टकराव स्वाभाविक है। यहां सत्ता पक्ष और विपक्ष, सरकार समर्थक और सरकार विरोधी, तथा अलग-अलग सामाजिक समूहों को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। किसी आंदोलन को केवल उसके विरोधियों की नाराजगी के आधार पर गलत नहीं कहा जा सकता और किसी विरोधी संगठन को केवल उसके नाम या राजनीतिक झुकाव के आधार पर खारिज करना भी उचित नहीं है।

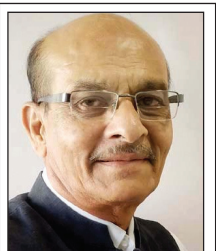
%लाल हिट जनता पार्टी’ का उदय फिलहाल सीजेपी के विरोध में एक नई संगठनात्मक पहल के रूप में सामने आया है। यह पहल आगे किस दिशा में जाएगी, इसका आकलन उसके भविष्य के कार्यों और सार्वजनिक व्यवहार के आधार पर ही किया जा सकता है। अभी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा संगठन किसी चुनौती देता है, बल्कि यह है कि इस राजनीतिक टकराव से लोकतांत्रिक विमर्श को क्या हासिल होगा। यदि दोनों पक्ष तथ्य, तर्क और शांतिपूर्ण संवाद का रास्ता अपनाते हैं, तो जनता को लाभ हो सकता है। लेकिन यदि यह मुकाबला केवल आरोपों, उत्तेजक नारों और भीड़ जुटाने की प्रतिस्पर्धा तक सीमित रहा, तो लोकतंत्र के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाएंगे।

लोकतंत्र में किसी विचार का जवाब दूसरा विचार है, किसी आरोप का जवाब प्रमाण है और किसी विवाद का बेहतर समाधान संवाद है। सीजेपी हो या ‘लाल हिट जनता पार्टी’, दोनों के लिए असली चुनौती एक-दूसरे को हराना नहीं, बल्कि जनता के सामने अपनी विश्वसनीयता साबित करना है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब विरोध का अधिकार सुरक्षित रहे, विरोध का विरोध करने की स्वतंत्रता भी बनी रहे और दोनों के बीच कानून, मर्यादा तथा जनहित की सीमाओं का सम्मान किया जाए।

संपादकीय

गैंगस्टरों का खौफ

देश में कानून-व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तीर-तरीके जरूर बदले हैं, लेकिन उनका खौफ गाहे-बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है। रिविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निर्माता गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह सराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोटा रेलवे स्टेशन से तीन सदिध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। निश्चय ही इस दिशा में कोशिशें तेज करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का-दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खमियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगताना पड़ेगा। दरअसल, पुलिस की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस हमले के सदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुखियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में सलिलता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय यंत्रणे जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, कर्मवीर सिंह को कनाडा से डिपोर्ट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोर्ट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच साठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भीड़-भाड़ वाले इलाके में किसी सेलिब्रिटी पर गोली चलाकर फगर हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतियाती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूचना को लेकर तालमेल उतना ही जरूरी है, क्योंकि अपराधी गिरोह बंघोफ होकर सीमाओं के पार भी अपनी गतिविधियां बेरोक-टोक चला रहे हैं। निश्चित रूप से बॉलीवुड सितारों और अन्य विशिष्ट लोगों को कानूनी सुरक्षा पाने का हक है। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।



सनत जैन

भारत में जंगणना केवल आबादी गिनने की सरकारी प्रक्रिया नहीं है। देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय तस्वीर तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार हर 10 वर्ष में होने वाली जंगणना है। इसी आंकड़े से सरकारी योजनाएं बनती हैं। संसाधनों का वितरण होता है। भविष्य की नीतियों की दिशा तय होती है। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य को लेकर विवाद खड़ा होना निश्चित रूप से चिंत



मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर के धार्मिक आयोजन स्थलों पूजा पंडालों तीर्थ मंदिरों स्नान घाटों पर बर्दस्तजामी चरम पर है कर्मोवेश सभी जगह एक सी हालत है अब कोलकाता के उत्तर हिस्से में चित्रचंग एवेन्यू के पास चोरबागान दुर्गापूजा पंडाल में 17 अक्टूबर शनिवार शाम मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 घायल हो गए। घायलों में एक की हालत गंभीर है। मृतकों में चार पुरुष, दो बच्चे और 13 महिलाएं शामिल हैं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे बंगाल में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूजा समिति के पदाधिकारी और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े लोग शामिल हैं। अदालत ने सभी आरोपियों को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हादसे के बाद सरकार ने भीड़ संचालन के लिए नौ आईपीएस अधिकारियों को तैनात किया है। तमाम हिन्दू धार्मिक आयोजनों दुर्गा पूजा पंडाल गणेश विसर्जन यात्रा में अति उत्साह कुप्रबन्ध बना रहता है आम श्रद्धालु श्रद्धा के अतिरिक्त में घंटों भूख प्यास सह कर भी लाइन में लगकर दर्शन पूजन के लिए अपनी बारी का इंतजार करता है। अधिकांश बड़े मंदिरों पर तो बाकायदा पैसे देकर वीआईपी दर्शन की सुविधा को ही वैधता दे दी गई है। बहरहाल इस सब बर्दस्तजामी के चलते अब आस्था का मोल श्रद्धालु अपनी जान देकर चुकाने को मजबूर हैं। आपको याद दिला दें कि श्रावण मास का तीसरे सोमवार 17 अगस्त 2026 को

का विषय है। वर्ष 2021 में होने वाली जंगणना में 6 वर्ष की देरी के बाद अब 2027 की जंगणना के लिए नियमों में बदलाव ने राजनीतिक बहस छेड़ दी है। जंगणना भी अब राजनीतिक विवादों का विषय बन गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारजिस्ट्रार कार्यालय ने 16 अक्टूबर 2026 को जंगणना नियम, 1990 में संशोधन की अधिसूचना जारी की है। जंगणना अधिनियम, 1948 की धारा 18 के तहत किए गए इस बदलाव के अनुसार अब सरकारी संस्थानों के साथ निजी शिक्षण संस्थानों, सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों, सोसायटियों, ट्रस्टों तथा विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को भी गणना के काम में लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं, राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन जिसे उपयुक्त समझे, ऐसे व्यक्ति को भी गणनाकर्मि नियुक्त कर सकता है। सरकार का तर्क है, इतने विशाल देश में जंगणना के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मचारी जुटाना बड़ी चुनौती है। कई सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की संख्या कम है। ऐसे में केवल सरकारी कर्मचारियों पर निर्भर रहने से शैक्षणिक

कार्य और जंगणना के कार्य प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, सवाल यह है, कर्मचारियों की कमी दूर करने के लिए क्या चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और राजनीतिक निष्पक्षता सुनिश्चित करने के पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं? कांग्रेस ने इस बदलाव पर गंभीर आपत्ति जताई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर और जंगणना को लेकर उसकी तैयारियों का हवाला देते हुए आशंका व्यक्त की है। नए नियमों से संघ से जुड़े लोगों को जंगणना में शामिल करने का रास्ता खोला गया है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया है। कर्नाटक के बेलगांव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का एक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें जंगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है, कि जंगणना जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में वैचारिक रूप से जुड़े लोगों की भूमिका आंकड़ों की निष्पक्षता को लेकर संदेह पैदा करती है। कांग्रेस की चिंता को केवल राजनीतिक विरोध कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। हाल के वर्षों में

चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठाता रहा है। मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पर उठे विवादों ने संस्थागत विश्वसनीयता को सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया है। चुनाव संबंधी आरोपों और जंगणना में संभावित गड़बड़ी में जातीय और धार्मिक आधार पर बड़े पैमाने पर गड़बड़ी किए जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। जंगणना के कर्मचारी किसी राजनीतिक दल, विचारधारा या संगठन के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की ओर से तथ्य जुटाने वाले अधिकारी और कर्मचारी होते हैं। उनकी नियुक्ति, प्रशिक्षण, पहचान, निगरानी और जवाबदेही तय की जाती है। सरकारी कर्मचारी होने के नाते वह अपने काम को नियम के साथ करते हैं और उसके लिए जिम्मेदार भी होते हैं। महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है, जंगणना 2027 की प्रक्रिया पूरी तरह रुकी हुई नहीं है। सरकार के अनुसार 2026 में मकान सर्वेक्षण और मकानों की गणना का पहला चरण शुरू हो चुका है।

आस्था की कीमत जान देकर चुकाते श्रद्धालु!

श्रद्धालुओं के जीवन पर भारी पड़ गया। इस दिन विभिन्न राज्यों में धार्मिक स्थलों पर हुए भगदड़ और हादसों में कुल 27 लोगों की मौत हो गई। बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से 7 श्रद्धालुओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य हादसों में कम से कम बीस जान गयीं हैं जबकि हताहतों की तादाद सैकड़ों की संख्या में है। घायल हुए। दरअसल यह हादसों की पहली बार नहीं है हिन्दू धर्म स्थानों पर कुप्रबन्ध अव्यवस्था रखरखाव में गड़बड़ी संकीर्ण गलियारों और श्रद्धालुओं की बढ़ती तादाद असंयमित व्यवहार के साथ ही अफवाहों की साजिशें हर पर्व त्योहार दर्शन स्नान मेलों में हादसों की श्रृंखला बना रहे हैं। आपको बता दें कि बिहार के अशोकधाम मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के दौरान बिजली का खंभा गिरने और अफवाह फैलने से मची भगदड़ में 7 श्रद्धालुओं की मौत और 19 से अधिक घायल हुए। वहीं मध्य-प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर सहित चार राज्यों में विभिन्न हादसों और भीड़ के दबाव के कारण कुल 27 लोगों की जान चली गई।अभी दो माह पहले ही महाराष्ट्र के परभणी जिले की मानवत तहसील स्थित यशदाजी मारुति मंदिर में शनिवार को हुआ दर्दनाक हादसा पूरे देश को झकझोर दिया । मंदिर परिसर के सामने बना सभा मंडप अचानक भस्मभारकर गिर पड़ा, जिसके कारण कई श्रद्धालु मलबे में दब गए छह लोगों की मौत हो गई थी। आपको याद दिला कि महाकुंभ मेला, प्रयागराज जनवरी 2025 मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर संगम में पवित्र स्नान के लिए लाखों श्रद्धालु एकत्र हुए थे। अखाड़ा मार्ग पर तीर्थयात्रियों के अत्यधिक दबाव से अचानक बैरिकेड्स ढह गए। इस दर्दनाक हादसे में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई और 60 से ज्यादा घायल हुए।इसी तरह तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर, आंध्र प्रदेश में जनवरी 2025 वैकुंठ एकादशी त्योहार के दौरान वीआईपी और सामान्य दर्शन टिकट लेने के लिए हजारों श्रद्धालुओं को हुआ धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस भीड़ के अनियंत्रित होने से मची भागदड़ में 6 श्रद्धालुओं की मौत हुई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

वहीं हाथरस सत्संग, उत्तर प्रदेश 2 जुलाई 2024 को एक धार्मिक आयोजन में बरती गयी लापरवाही सैकड़ों श्रद्धालुओं की जान ले गयी। यह हाल के वर्षों की सबसे भीषण घटनाओं में से एक है। क्षमता से तीन गुना अधिक यानी करीब 2.5 लाख लोग एक अस्थायी टेंट में जमा हो गए थे। बाबा के जाने के बाद धूल छूने की होड़ और अत्यधिक गर्मी व उमस के कारण मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई।माता वैष्णो देवी भवन जनवरी 2022 को नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच हुई रेलमपेल में 12 लोगों की जान चली गई थी।रतनगढ़ माता मंदिर, दतिया मध्य-प्रदेश में अक्टूबर 2013 नवरात्रि के दौरान मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं के बीच पुत टूटने की अफवाह उड़ी, जिससे मची भगदड़ में 89 लोगों की मौत हुई थी। छठ घाट पर नवंबर 2012 में बिहार की राजधानी पटना में छठ पर्व के दौरान नदी घाट पर अचानक मची अफरा-तफरी के कारण 20 ब्रतियों और श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।नैना देवी मंदिर, हिमाचल प्रदेश में अगस्त 2008 भूस्खलन और चट्टानें गिरने की झूठी अफवाह के बाद फैली दहशत से 162 से अधिक श्रद्धालुओं की कुचलकर मौत हो गई थी।चामुंडा देवी मंदिर, जोधपुर में सितंबर 2008 नवरात्रि के दौरान मंदिर परिसर में बम होने की अफवाह फैलने से मची भयंकर भगदड़ में करीब 250 लोगों की जान चली गई थी।सबरीमाला, केरल जनवरी 2011 मकरज्योति के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं के बीच वाहन दुर्घटना के बाद मची भगदड़ में 104 से अधिक तीर्थयात्रियों की मौत हुई थी।धाम्दारदेवी मंदिर, महाराष्ट्र जनवरी 2005 में सालाना यात्रा के दौरान नायिलर के पानी से सीढ़ियां फिसलनी होने के कारण लोग गिरते गए, जिसमें 340 से अधिक श्रद्धालु मारे गए थे। पिछले दिनों यूपी के वृन्दावन में इस्कॉन मंदिर के गेट पर नगर निगम द्वारा लगाए गए शॉवर कुलर में अचानक करंट उतर आया। इसकी चोट में आने से एक 21 वर्षीय श्रद्धालु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर में उमड़ने वाली भारी

भीड़, कुप्रबंधन, और उचित कतारें न होने के कारण अक्सर भगदड़ और विवाद जैसी स्थितियां सामने आती हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा जगन्पट में स्थित विश्व प्रसिद्ध ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है। मंदिर के गेट नंबर 5 के पास स्थित एक गली में अचानक एक पुराने मकान का छज्जा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से वहां से गुजर रहे कई श्रद्धालु घायल हो गए थे।भारत आस्था और श्रद्धा का देश है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचते हैं। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में इन स्थानों की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों में धार्मिक स्थलों पर भगदड़, दीवार गिरने, छत ढहने जैसी कतरे उत्तरने और अन्य दुर्घटनाओं में अनेक लोगों की जान चुकी है। हाल ही में महाराष्ट्र के सांगली जिले में भी मंदिर परिसर से जुड़ी एक दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई थी। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि समस्या किसी एक स्थान या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक स्तर पर सुरक्षा प्रबंधन की चुनौती है।वास्तविकता यह है कि अनेक धार्मिक आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन आधारभूत ढांचे का विस्तार और रखरखाव उसी गति से नहीं हो पा रहा। कई स्थानों पर अस्थायी शेड, मंड़प और अन्य संरचनाएं बिना पर्याप्त तकनीकी परीक्षण के उपयोग में लाई जाती हैं। कई बार निर्माण कार्य स्थानीय स्तर पर करवा लिया जाता है, लेकिन इंजीनियरिंग मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी हो जाती है। जब तक कोई दुर्घटना नहीं होती, तब तक इन कमियों पर गंभीर ध्यान नहीं दिया जाता। प्रत्येक घटना के बाद केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन इन हादसों की निष्पक्ष जांच कराएं और इन तमाम हादसों के पीछे के तमाम कारणों का विश्लेषण कर ज़िम्मेदार दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद हेलेन हेन्स पर जानलेवा हमला: कार से कुचलने के बाद एक पैर काटना पड़ा

मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेंस पर उनके चुनाव कार्यालय के बाहर जानलेवा हमला हुआ है। विक्टोरिया राज्य के वांगाराटा शहर में एक कार चालक ने जानबूझकर उन्हें दो बार कुचला, जिससे उनके दोनों पैरों में गंभीर चोट आई। 65 वर्षीय सांसद की आपातकालीन सर्जरी की गई, जिसमें उनका एक पैर काटना पड़ा, जबकि दूसरे पैर को बचाने का प्रयास जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक टोयोटा लैंडक्रूजर कार ने पहले हेन्स को टक्कर मारी, फिर यू-टर्न लेकर उन्हें दोबारा कुचला और अपनी कार के साथ दबा दिया। घटना के बाद उन्हें हेलीकॉप्टर से मेलबर्न के अल्फ्रेड अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी हालत पर नजर रख रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानी ने जानबूझकर किया गया हमला बताया है, यह कहकर कि यह सामान्य दुर्घटना नहीं लगती। पुलिस ने घटनास्थल से 43 वर्षीय ब्रेंडन नूजंट को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से चाकू भी बरामद हुआ है। हालांकि, हमले के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

आरोपी के परिवार ने घटना पर दुख जताकर कहा कि हेन्स उनके 20 वर्ष से अधिक समय से मित्र रही हैं। उन्होंने ब्रेंडन के पिछले कुछ महीनों से अजीब बर्ताव को लेकर चिंता जाहिर की थी। यह घटना ऑस्ट्रेलिया में जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं बढ़ा रही है। हेलेन हेन्स 2019 से संघीय संसद में डंडी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और अपने स्थानीय मुद्दों को उठाने के लिए जानी जाती हैं। पुलिस फिलहाल एक अलग-थलग घटना मान रही है और व्यापक समुदाय के लिए किसी अतिरिक्त खतरे की सूचना नहीं है।

सऊदी और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद देता रहेगा: चौधरी

-गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, यह रक्षात्मक गठबंधन है इस्लामाबाद,एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों के बढ़ते हमलों के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर पाक सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि सऊदी अरब की संप्रभुता, उसकी क्षेत्रीय अखंडता और वहां के धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए पाकिस्तान हर जरूरी मदद दे रहा है और आगे भी देता रहेगा। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने एक इंटरव्यू में यह बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा और इस्लाम के दो पवित्र मस्जिदों की रक्षा पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अहम है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान, यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की ओर से प्रत्यक्ष सैन्य सहायता के किसी भी अनुरोध पर 'विचार' कर सकता है, जिसका अर्थ है कि पाकिस्तानी सेना अरब सीधे हतियारों से लड़ने का विकल्प खुला रख रही है।। रिपोर्ट के मुताबिक लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने हतियारों के हमलों पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया को 'गुस्से' वाली बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सऊदी अरब और वहां के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के मामले में कोई सवाल या समझौते की गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगस्त में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत तीनों देशों में से किसी एक पर हमला होने को बाकी सदस्यों पर भी हमला माना जाएगा। हालांकि, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने साफ किया कि इस गठबंधन का मकसद किसी देश पर हमला करना नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह रक्षात्मक गठबंधन है।



पुतिन ने दिया ट्रंप-जिनपिंग के साथ बैठक का प्रस्ताव, जैलैंस्की को नहीं बुलाया

-यह बैठक 18-19 नवंबर को चीन के शेनझेन में एपीईसी समेलन में हो सकती है

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक का प्रस्ताव दिया है, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सहमति जताई है। सूत्रों के मुताबिक यह बैठक अगले महीने 18 और 19 नवंबर को चीन के शेनझेन शहर में होने वाले एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) शिखर सम्मेलन के दौरान हो सकती है। इस संभावित बैठक की सबसे खास बात यह है कि इसमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की को शामिल करने की कोई योजना नहीं है।

इस बैठक पर अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बनी है और चीन ने अमेरिकी अधिकारियों से इस प्रस्ताव को लेकर जानकारी मांगी है। यदि तीनों नेताओं की मुलाकात होती है, तो इसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के तरीकों पर चर्चा हो सकती है। अमेरिकी विदेश मंत्री



माकों रबियो ने 19 अक्टूबर को पुष्टि की कि बैठक को लेकर बातचीत हुई है, लेकिन कोई फैसला नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध समाप्त करने के हर संभव रास्ते पर विचार करने को तैयार हैं। ट्रंप ने स्वयं भी पुतिन और जिनपिंग से जैलेंस्की के बिना मिलने की इच्छा व्यक्त की है, हालांकि उन्होंने बैठक होने की पुष्टि नहीं की।

वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता ने इस विचार को शुरुआती

स्तर का बताया जबकि चीन के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने आरोप लगाया है कि अमेरिका ने उन्हें जानकारी दिए बिना यूक्रेन की स्टारलिक इंटरनेट सेवा पर पारबंदियां लगाई हैं, जो यूक्रेनी सेना के लिए अहम है। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने रूस, अमेरिका और चीन के बीच संभावित बैठक पर आपत्ति जताई है। उनका मानना ​​है कि यूक्रेन को बातचीत से बाहर रखना रूस को युद्ध जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करेगा। ट्रंप ने जैलेंस्की पर युद्ध समाप्त करने में रुचि न दिखाने का भी आरोप लगाया है। इस मुलाकात से यूरोपीय देशों के साथ उसके संबंधों पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि वे यूक्रेन का समर्थन करते हैं।

ईरान का दावा- होर्मुज में अमेरिकी रीपर ड्रोन को मार गिराया

-फरवरी से अब तक 45 से अधिक ड्रोन खोने की खबर, हर रीपर की कीमत 30 से 50 मिलियन डॉलर

तेहरान,एजेंसी। ईरान की इस्लामिक रिजोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को दावा किया कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने स्टेट ऑफ होर्मुज के ऊपर उड़ रहे अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मिसाइल से मार गिराया। ईरान के अनुसार, ड्रोन खाड़ी में गिर गया। आईआरजीसी ने इसे अब तक नष्ट किए गए अमेरिकी रीपर ड्रोन की 54वीं घटना बताया है। स्टेट ऑफ होर्मुज वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। यहां से प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों का परिवहन होता है। इस क्षेत्र में अमेरिकी ड्रोन निगरानी और समुद्री सुरक्षा अभियानों में इस्तेमाल किए जाते हैं। ऐसे में ईरान का ताजा दावा क्षेत्र में पहले से जारी तनाव को और बढ़ा सकता है।

अमेरिकी ड्रोन बेड़े पर बढ़ता दबाव

अमेरिकी मॉडिया रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 से अब तक अमेरिका कम से कम 45 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन खो चुका है। इस आंकड़े में दुश्मन की गोलीबारी, दुर्घटनाओं, मित्र देशों की ओर से हुई फायरिंग और ईरान से दूर हुई घटनाएं भी शामिल हैं। हालांकि, इन सभी घटनाओं की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना मुश्किल है। एमक्यू-9 रीपर एक मानववर्हित विमान है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हमले करने के लिए किया जाता है। इसकी कीमत लगभग 3 से 5 करोड़ डॉलर प्रति ड्रोन बताई जाती है। इस हिसाब से बड़ी संख्या में ड्रोन खोने से अमेरिकी सैन्य संसाधनों पर भारी आर्थिक दबाव पड़ सकता है। लगातार नुकसान से परिचालन क्षमता और भविष्य के अभियानों की योजना भी प्रभावित हो सकती है।

तेल अवीव मार्ग की पलाइंट में बम की धमकी से हड़कंप, बुल्गारिया में कराई गई आपात लैंडिंग

तेल अवीव,एजेंसी। तेल अवीव से वियना जा रही ऑस्ट्रियन एयरलाइन्स की एक फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया जब उड़ान के दौरान उसमें बम होने की सूचना मिली। इस खबर के बाद आनन-फानन में विमान को बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में आपातकालीन स्थिति में उतारा गया। विमान में कुल 51 यात्री और 6 कर्मीबंस सहित कुल 57 लोग सवार थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जानकारी के अनुसार, ऑस्ट्रियन एयरलाइन्स का यह एयरबस ए320 विमान तेल अवीव से वियना के लिए उड़ान भर रहा था। रोमानियाई सीमा के पास पहुंचने पर विमान के कर्मी को बम की धमकी की सूचना मिली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का अलर्ट, 11 देशों में नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह

वाशिंगटन, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच अमेरिका ने 11 देशों और क्षेत्रों में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया है। अमेरिकी राजनयिक मिशनो ने नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा परिस्थितियों में अचानक बदलाव के लिए तैयार रहने की सलाह दी है। चेलाबान में हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा योजनाओं में बाधा आने की आशंका जाहिर की गई है। अमेरिकी अधिकारियों ने ईरान और उसके समर्थन वाले हूती समूहों से जुड़े सुरक्षा जोखिमों का भी उल्लेख किया है।

अमेरिका ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, ओमान, कतर, इराक, लेबनान, यमन और इजरायल में अपने नागरिकों को सतर्क रहने को कह दिया है। अमेरिकी मिशनो के अनुसार, क्षेत्र में तनाव बढ़ने पर अमेरिकी हितों, कंपनियों और संस्थानों को टारगेट करने का खतरा हो सकता है। हालांकि, अलर्ट का मतलब यह नहीं है कि सभी संबंधित देशों में हवाई अड्डे बंद हो गए हैं या उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों को अपनी यात्रा से पहले स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी अधिकारियों ने नागरिकों से कहा है कि वे अपनी उड़ानों की जानकारी संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से सीधे प्राप्त करें। इराक में बगदाद, इरबिल, बसरा और सुलेमानिया हवाई अड्डों की स्थिति जांचने के कहा गया है। वहीं, लेबनान में बेरूत स्थित रफीक हरीरी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ताजा जानकारी लेने की सलाह दी गई है। क्षेत्रीय तनाव के कारण उड़ानों के समय में बदलाव या अचानक रद्द होने की आशंका को देखते हुए यात्रियों को वैकल्पिक योजनाएं तैयार रखने के लिए भी कहा गया है। अमेरिकी

बांग्लादेश लौटेंगी हसीना, बोर्ली-मौत आए तो मेरे माता-पिता की मिट्टी पर



ढाका,, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अलामा लीग की प्रमुख शेख हसीना ने दिसेंबर में अपने देश लौटने के अपने अटल संकल्प को दोहराया है, भले ही इसके लिए उन्हें गिरफ्तारी, प्रताड़ना या मौत का कहना है। जोखिम उठाना पड़े। शांतिपटन डीसी में एक कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल होते हुए, 79 वर्षीय हसीना ने बेबाकी से कहा, मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाऊंगी। मुझे पता है कि वे मुझे मार सकते हैं, गिरफ्तार कर सकते हैं और प्रताड़ित कर सकते हैं, लेकिन मुझे डर नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वहां जाना उनकी जिम्मेदारी है।

नेतन्याहू को समर्थन देने से जेडी वेंस ने किया इंकार

-ट्रंप कर चुके हैं खुला समर्थन, अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले- मैं अमेरिकी उम्मीदवारों का समर्थन करता हूं, इजरायल के चुनाव में शामिल नहीं हो रहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेजाभिन नेतन्याहू के दोबारा चुनाव लड़ने का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में नेतन्याहू के समर्थन में सामने आए थे, लेकिन वेंस ने स्पष्ट किया कि वह इजरायल के चुनाव में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते। उनके इस बयान को ट्रंप के रुख से अलग नजरिए के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल ट्रंप के बयान के बाद एक साक्षात्कार में वेंस से पूछा गया कि क्या वह भी नेतन्याहू का समर्थन करते हैं। इस पर उन्होंने कहा, 'मैं अमेरिकी उम्मीदवारों का समर्थन करता हूं। मैं इजरायल के चुनाव में शामिल नहीं हो रहा हूं।' वेंस ने ट्रंप के समर्थन को अमेरिका



और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के इतिहास में सबसे प्रभावशाली समर्थनों में से एक बताया। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि फिलहाल उनका ध्यान अमेरिका के मध्यावधि चुनावों पर है। यहां बताते चले कि वेंस नॉर्थ कैरोलिना में रिपब्लिकन पार्टी के सीनेट उम्मीदवार माइकल व्हाटली के प्रचार के लिए पहुंचे थे। इससे पहले वह विदेशी नेता के चुनाव प्रचार में भी हिस्सा ले चुके हैं। पिछले साल उन्होंने हंगरी के तत्कालीन प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान का समर्थन करने के लिए वहां का दौरा किया था। हालांकि, बाद में ओरबान की पार्टी संसदीय चुनाव हार गई थी।

कोरियाई सीमा पर बढ़ा सैन्य तनाव: प्योंगयांग की धमकी पर सोल का सख्त जवाब



दोबारा शुरू करने और अधिक सामरिक हमलावर हथियार तैनात करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने सीमा की स्थिति को बेहद अस्थिर बताया और उल्टा दक्षिण कोरियाई सेना पर उत्तर कोरियाई सैनिकों के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया। यह विवाद 21 सितंबर को सीमा के पास हुए एक बारूदी सुरंग विस्फोट के

बाद और बढ़ गया था, जिसमें दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हो गए थे। सोल ने आरोप लगाया था कि उत्तर कोरिया ने दक्षिणी हिस्से में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं, हालांकि प्योंगयांग ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, इस साल उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पर किलेबंदी का काम करते हुए सैन्य

सीमांकन रेखा का करीब 50 बार उल्लंघन किया है। दक्षिण कोरिया ने इन घटनाओं के जवाब में चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई और लाउडस्पीकर से संदेश प्रसारित किए, जिन्हें किम यो जोंग ने उकसावे वाला बताया और जवाबी कदम उठाने की बात कही। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने उत्तर कोरिया की धमकियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सैन्य सीमांकन रेखा के पास चेतावनी वाले प्रसारण और गोलियां चालाना उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा पार करने से रोकने के लिए वैध रक्षात्मक उपाय है। मंत्रालय ने कड़ी चेतावनी दी कि यदि उत्तर कोरिया इन कदमों को आगे किसी उकसावे की कार्रवाई का बहाना बनाता है, तो उसे निर्णायक जवाब दिया जाएगा। साथ ही, प्योंगयांग से सीमा उल्लंघन रोकने और तनाव कम करने के लिए बातचीत के प्रयासों का जवाब देने की अपील भी की गई।

दूट ने एलन मस्क को बताया महान दोस्त: स्पेसएस शेंयर घोषणा पर दिया धन्यवाद

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिजनेसमैन एलन मस्क को महान दोस्त करार दिया है। उन्होंने मस्क की जमकर तारीफ की और स्पेसएक्स के एक अहम फैसले के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मस्क ने हाल ही में घोषणा की है कि वे अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को अपनी कंपनी स्पेसएक्स का एक शेयर देंगे। ट्रंप ने ट्वि पर एक पोस्ट के जरिए मस्क को धन्यवाद देते हुए कहा, लीजेंडरी फंडएलन मस्क को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने लाखों अमेरिकी बच्चों को स्पेसएक्स के शेयर देने की घोषणा की है। ट्रंप ने यह भी बताया कि ट्रंप अकाउंट्स का गठन इसी उद्देश्य से किया गया था, ताकि निजी क्षेत्र और प्रमुख हस्तियों को बच्चों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके, जिससे वे अमेरिकन ड्रीम का हिस्सा बन सकें। स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मस्क ने खुद इस पहल की पुष्टि करते हुए लिखा, अगले साल, मैं अमेरिका के हर बच्चे को अपने स्पेसएक्स का एक शेयर दूंगा। यह अपने प्रकार की पहली पहल होगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब मस्क निजी एयरोस्पेस और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के सबसे बड़े शेयरहोल्डर बने हुए हैं। हाल ही में जारी दस्तावेजों के अनुसार, 30 जून तक स्पेसएक्स में मस्क की 48.4 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। उनके पास लगभग 6.42 अरब शेयर हैं, जिसमें वलास ए शेयर और ट्रस्ट के माध्यम से रखे गए वलास बी शेयर शामिल हैं, जहां वह ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हैं।



यूरोप के 6 देशों में महंगाई, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा के खिलाफ प्रदर्शन

फ्रांस में आगजनी-लूटपाट

न्यूयॉर्क,एजेंसी। यूरोप के छह देशों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। फ्रांस, इटली, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम और अल्बानिया में लोगों ने सड़कों पर उतरकर सरकारों की नीतियों के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। कई जगह प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। फ्रांस में राजधानी सहित कई शहरों में आगजनी और लूटपाट की घटनाएं सामने आईं, जबकि ग्रीस में छत्र हॉस्टल की कमी और महंगे किराए के विरोध में संसद के बाहर धरने पर बैठ गए। फ्रांस में 17 अक्टूबर को करीब 140 शहरों में प्रदर्शन हुए। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब आठ लाख लोग सड़कों पर उतरे। पेरिस, मार्सेई और बोर्डों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं हुईं। लीमोज में ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगने की खबर सामने आई। 18 अक्टूबर तक करीब 1,800 लोगों को गिरफ्तार करने और 500 से अधिक सुरक्षाकर्मियों तथा दमकलकर्मियों के घायल

होने की जानकारी दी गई। राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों और प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेक्नेर्न ने हिंसा की निंदा की। वहीं एक और यूरोपीय देश अल्बानिया की राजधानी तिराना में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री एदी रामा के इस्तीफे की मांग की। महंगी शिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन 17 अक्टूबर को हिंसक हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथर और पेट्रोल बम फेंक दिए। इस दौरान कुछ सरकारी कार्यालयों और इमारतों को नुकसान पहुंचा। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

इटली और स्पेन में महंगाई व आवास संकट बढ़ा मुद्दा -इटली में छात्रों और कर्मचारियों ने महंगाई, कम वेतन और शैक्षणिक सुविधाओं की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किया। मिलान में आंदोलन के दौरान तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं हुईं। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हिंसा की कड़ी निंदा की। पीएम मेलोनी ने

प्रदर्शनकारियों से संयम नीतियों की अपील की है। वहीं, स्पेन के 50 से अधिक शहरों ने लोगों ने बढ़ते किराए और बेदखली के खिलाफ आवाज बुलंद की है। प्रदर्शनकारियों ने किराया कम करने और किरायेदारों के अधिकारों को मजबूत करने की मांग की। ग्रीस की राजधानी एथेंस में छात्र सस्ते हॉस्टल, आर्थिक सहायता और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं की मांग को लेकर संसद के बाहर तंबू लगाकर बैठे हैं। छात्रों का कहना है कि महंगे किराए और सीमित आवास सुविधाओं के कारण पढ़ाई जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है। बेल्जियम में सरकारी नीतियों का विरोध -वहीं, बेल्जियम में ट्रेड यूनियनों और छात्रों ने सरकारी खर्च में कटौती, शिक्षा सुधार और वेतन संबंधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। कुछ स्थानों पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी। इन प्रदर्शनों में महंगाई, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और आवास संकट प्रमुख मुद्दे बनकर उभरे हैं।

इटली में हिंसक प्रदर्शन जारी, पीएम मेलोनी ने बुलाई आपात बैठक

270 प्रदर्शनकारियों को लिया हिरासत में, भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी

रोम, एजेंसी। फ्रांस के बाद इटली में बढ़ती महंगाई, महंगी होती रोजमर्रा की जरूरतों और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ हो रहे प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया है। मिलान में लिए गए लोगों में से 32 को गिरफ्तार किया गया। इनमें 23 नाबालिंग और 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 28 लोगों के खिलाफ न्यायिक अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। मिलान के शहर के केंद्र में सैकड़ों नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और

दुकानों में लूटपाट की। हालात को नियंत्रित करने के लिए दंगा-रोधी उपकरणों से लैस पुलिस ने आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया। इस बीच इटली में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीयों को सतर्क रहने, भीड़भाड़ वाले इलाकों और प्रदर्शन स्थलों से दूर रहने की सलाह दी गई है। आपात स्थिति में भारतीय नागरिक के लिए नंबर जारी किए हैं- भारतीय दूतावास, रोम- +39 331 614 2085,- भारत का महावाणिज्य दूतावास, मिलान- +39 3881647527। एडवाइजरी में कहा गया है कि किसी भी आपात स्थिति में भारतीय नागरिक संबंधित भारतीय मिशन से संपर्क करें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। बता दें इटली में यह प्रदर्शन लगातार दूसरे दिन हुए इससे पहले शनिवार को मिलान, नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा 28 लोगों के खिलाफ न्यायिक अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी गई है। मिलान के शहर के केंद्र में सैकड़ों नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कूड़ेदानों में आग लगा दी और

संक्षिप्त डायरी

जिले में 32,390 मीट्रिक टन बाजरे की

आवक

एजेंसी
गुरुग्राम। जिले की विभिन्न मंडियों में 32,390 मीट्रिक टन बाजरे की आवक हुई है। तीन मंडियों में जटौली, फर्रुखनगर और सोहना में बाजरे की खरीद की जा रही है। अब तक फर्रुखनगर में 8,020, जटौली में 21,227 और सोहना मंडी में 3,142 मीट्रिक टन बाजरे की आवक हुई है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार भावांतर भरपाई योजना के तहत बाजरा उत्पादक किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बाजरे के लिए 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के अ्युनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने का प्रावधान है। निर्धारित नियमों और पात्रता के अनुसार 2,900 रुपये प्रति क्विंटल के निर्धारित मूल्य तक अधिकतम 600 रुपए के अंतर की भरपाई सरकार द्वारा भावांतर के रूप में की जाएगी। मंडियों में खरीद प्रक्रिया को सुचारू व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

नए-छूटे मतदाताओं को शामिल करने विशेष अभियान चलेगा

एजेंसी
गुरुग्राम। जिले में मतदाताओं को शामिल करने के लिए विशेष अभियान चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य कोई भी पात्र मतदाता निर्वाचन नामावली में नाम दर्ज करवाने से वंचित न रहे। गुरुग्राम के चारों विधायकभा क्षेत्रों में पात्र मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची में दर्ज विवरणों में संशोधन किया जाएगा। नए मतदाता के पंजीकरण के लिए फॉर्म-6, मतदाता सूची में नाम शामिल करने के प्रस्ताव पर आपत्ति या नाम हटाने के लिए फॉर्म-7 तथा पते में बदलाव, विवरणों में सुधार और ईपीआईसी से संबंधित आवश्यकताओं के लिए फॉर्म-8 का उपयोग किया जा सकता है।

युवाओं को 40 कंपनियां देंगी रोजगार

गुरुग्राम। मंडल रोजगार कार्यालय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के साथ मिलकर 23 अक्तूबर को सेक्टर-14 महिला कॉलेज में रोजगार मेले का आयोजन करेगा। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 40 कंपनियां भाग लेंगी, जो युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। इसमें 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं आईटीआई पास युवा अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। मेले में भाग लेने के लिए अपने संबंधित रोजगार कार्यालय का पहचान पत्र (रजिस्ट्रेशन कार्ड), शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्र तथा बायोडाटा साथ लेकर आना होगा।

छठ पूजा को भव्य और सुंदर बनाने पर सहमति बनी

एजेंसी
गुरुग्राम। पाटलिपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति की बैठक सोमवार को शौतला कॉलोनी में हुई। इसमें छठ पूजा के भव्य आयोजन को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान कुछ कलाकारों की सूची भी तैयार की गई। समिति संरक्षक बीएन लाल ने कहा कि प्रशासनिक करवाई के लिए पत्रक की रूप रेखा बनीं और भेजने की जिम्मेदारी दी गई। इस बैठक में संस्था अध्यक्ष श्रीप्रकाश राय, मुख्य सलाहकार संजय कुमार सिंह आदि ने अपने सुझाव रखे, जिसमें सर्व सहमति से छठ पूजा के भव्य आयोजन के लिए योगदान देने की सहमति जताई।

सुरक्षा रथ के जरिए 120 लोगों को सिखाए गए ट्रैफिक नियम

गुरुग्राम। सुरक्षा रथ के माध्यम से सोमवार को शहर के प्रमुख व्यस्त इलाकों जैसे एटलस चौक, सिग्नेचर टॉवर और सेक्टर-31 में विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन आयोजनों के जरिए लगभग 120 वाहन चालकों और आम नागरिकों को यातायात नियमों की बारीकियों से अवगत कराया गया।

350 ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को दिए गए यातायात नियमों के पालन के निर्देश

एजेंसी
गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम में यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और सुचारू बनाने के लिए यातायात पुलिस ने ऑटो और ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर विशेष अभियान चलाकर लगभग 350 ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। अनुशासित वाहन संचालन के निर्देश दिए गए।

नियमों का उल्लंघन करने वालों के काटे 79 हजार 51 चालान

एजेंसी
गुरुग्राम। यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने और सड़क पर लापरवाही बरतने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत एक सप्ताह के भीतर कुल 79 हजार 51 चालान काटे हैं। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य तकनीक आधारित निगरानी और ऑन-द-स्पॉट कार्रवाई के जरिए शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करना है। गलत पार्किंग के कुल 21 हजार 114 चालान किए गए।

नियम तोड़ने पर 4905 वाहनों के चालान

एजेंसी
नोएडा। यातायात पुलिस ने सोमवार को जांच अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों की अवहेलना पर कुल 4905 वाहनों के ई-चालान किए गए और 16 गाड़ियां जब्त की गईं। हेलमेट न लगाने पर 1654 चालकों के चालान किए गए। नो पार्किंग के कारण 678, गलत नंबर प्लेट की वजह से 312, गलत दिशा में गाड़ी चलाने के कारण 277, ह्टर-प्रेशर हॉर्न लगाने पर 17 और मोडिफाई साइलेंसर लगे मिलने पर चार वाहनों के चालान किए गए।

फीस धांधली मामले की जांच 10 सदस्यीय समिति करेगी

एजेंसी
नोएडा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) ने पांच करोड़ रुपये से अधिक के कथित फीस धांधली मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर 10 सदस्यों की समिति बनाई है। समिति की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के रिकॉर्ड के मिलान के दौरान अप्रैल 2025 में पांच करोड़ रुपये से अधिक की फीस संबंधी कथित अनियमितता सामने आई थी। आरोप है कि छात्रों से प्राप्त फीस का भुगतान विश्वविद्यालय के सॉफ्टवेयर में दर्ज था, लेकिन संबंधित रकम आधिकारिक बैंक खातों में जमा नहीं मिली। मामले में फजी यूपीआई ट्रान्जेक्शन आईडी और रसीदों के इस्तेमाल के आरोप भी लगाए गए थे। इस मामले में नौ अप्रैल 2026 को तत्कालीन कुलसचिव डॉ. विश्वास त्रिपाठी समेत 12 लोगों के खिलाफ एफआईआर दायर हुई थी। सुदसचिव प्रो चंद्र कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने दस सदस्यीय समिति का गठन किया है।

नोएडा स्टेडियम मेले में बिछड़े पांच बच्चों को 'मिशन शक्ति' टीम ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

एजेंसी
नोएडा। त्योहारों और मेलों के इस उल्लास भरे सीजन में जहां एक तरफ शहरभर में खुशियों का माहौल है, वहीं दूसरी तरफ भीड़भाड़ वाले आयोजनों में थोड़ी सी असावधानी कई बार बड़ी चिंता का सबब बन जाती है। कुछ ऐसा ही नजारा बीती रविवार को सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम में देखने को मिला, जहां चल रहे भव्य मेले में उमड़ी भारी भीड़ के बीच पांच मासूम बच्चे अपने परिजनों से बिछड़ गए। मेले की चकाचौंध और रोष में अचानक अपनों से बिछड़ने के बाद इन बच्चों की आंखें नम थीं और वे बुरी तरह सहमे हुए थे। लेकिन, इस संकट की घड़ी में सेक्टर-24 थाना पुलिस की 'मिशन शक्ति' टीम फरिश्ता बनकर सामने आई। टीम की त्वरित, संवेदनशील और पेशेवर कार्रवाई के चलते कुछ ही घंटों के भीतर सभी पांचों बच्चों को सकुशल तलाश कर उनके रोते बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बच्चों को अपने सीने से लगाते ही परिजनों की आंखों से खुशी

1.79 लाख के 17 लंबित चालान मिलने पर मोटरसाइकिल जब््त

एजेंसी
गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम में भारी-भरकम जुमाना राशि बकाया रखने वाले वाहन चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है। इसी कड़ी में नियमित वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक ऐसी मोटरसाइकिल को पकड़ा है, जिस पर विभिन्न उल्लंघनों के कुल 17 चालान लंबित थे और कुल बकाया जुमाना राशि एक लाख 79 हजार रुपये तक पहुंच चुकी थी। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल को तुरंत जब््त कर लिया है। सोमवार को मारुति कुंज टी-प्वाइंट पर जोनल अधिकारी एएसआई रामप्रकाश अपनी टीम के साथ नियमित वाहन जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल को रोककर जब दस्तावेजों की जांच की गई, तो चालक वाहन से जुड़े जरूरी कागजात पेश नहीं कर सका। इसके बाद जब ऑनलाइन पोर्टल पर वाहन के इतिहास की जांच की गई, तो चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। इसमें मोटरसाइकिल पर कुल 17 चालान लंबित पाए गए। इन सभी चालानों की कुल जुमाना राशि एक लाख 79 हजार रुपये दर्ज थी। इनमें बिना हेलमेट, बिना प्रदूषण प्रमाण-पत्र और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन से जुड़े मामले शामिल थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यातायात पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए वाहन को इंपाउंड कर निर्धारित पार्किंग में खड़ा करवा दिया है।गुरुग्राम यातायात पुलिस ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे सड़क पर निकलते समय अपने वाहन के सभी दस्तावेज-जैसे वैध बीमा, पोंरूसी, ड्राइविंग लाइसेंस और आरसी-साथ रखें। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी है कि जिन चालकों के चालान लंबित हैं, वे समय पर उनका भुगतान कर लें, अन्यथा चेकिंग के दौरान इसी तरह की सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

सैंट-हुड कॉन्वेंट स्कूल की एनसीसी कैडेट सांची ने रॉक क्लाइंबिंग कैंप

दादरी, गौतम बुद्ध नगर। सेंट-हुड कॉन्वेंट स्कूल, दादरी की कक्षा 10-इ की छात्रा एवं 31 यूपी बटालियन एनसीसी की कैडेट सांची (खह-2025) ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ मिलिट्री स्टेशन में आयोजित रॉक क्लाइंबिंग कैंप को सफलतापूर्वक संपन्न कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। यह साहसिक प्रशिक्षण शिविर 12 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें गाजियाबाद से 13वीं बटालियन के ग्रुप कमांड इंस्ट्रक्टर्स (GCIs) के साथ सांची ने प्रतिभाग किया। इस शिविर में लगभग 275 कैडेट्स शामिल हुए। कैंप के दौरान कैडेट्स ने रॉक क्लाइंबिंग, रैपलिंग, ट्रैकिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न साहसिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया। इन गतिविधियों का उद्देश्य कैडेट्स में

साहस, आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना तथा विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता विकसित करना था। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. आशा शर्मा एवं प्रबंधन ने सांची की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी। उन्होंने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में देशभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने का एक

सशक्त माध्यम है। ऐसे साहसिक शिविर विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए प्रेरित करते हैं। विद्यालय परिवार ने सांची के उज्ज्वल भविष्य को कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय और देश का नाम रोशन करती रहेगी।

अपनी गायकी से समा बांधा। इसके अलावा कार्यक्रम में सिल्पांजलि के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। साथ ही सेक्टर-62 स्थित सर्वोर्जनन दुर्गा पूजा समिति द्वारा हो रही दुर्गा पूजा के पंडाल में सुबहार, कविता पाठ प्रतियोगिता, तबला वादन और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां बंगाल परंपरा के अनुसार आरती और धनुच नृत्य भी किया गया। धुनुच नृत्य के दौरान

प्रदेश

नोएडा स्टेडियम मेले में बिछड़े पांच बच्चों को 'मिशन शक्ति' टीम ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

इसकी सूचना वहां मुस्तैद पुलिस बल को दी गई। 'मिशन शक्ति' टीम ने दिखाई तत्परता, तुरंत संभाला मोचां घटना की जानकारी मिलते ही सेक्टर-24 थाने की 'मिशन शक्ति' टीम पूरी तरह हरकत में आ गई। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए समर्पित इस टीम ने बिना एक पल गंवाए बच्चों की तलाश के लिए तुरंत एक विशेष अभियान शुरू किया। टीम के सदस्यों ने सबसे पहले डेरे-सहमे बच्चों को अपने पास बैठकर उन्हें प्यार से पानी पिलाया, उनकी हिम्मत बंधाई और उन्हें सांत्वना दी कि वे अब पूरी तरह सुरक्षित हैं। बच्चों से नरमी से बात कर-कर के टीम ने उनके नाम, उनके माता-पिता के नाम और उनके रहने वाले इलाकों के बारे में प्राथमिक जानकारी जुटानी शुरू की। चूंकि कुछ बच्चे बहुत छोटे थे और वे पूरी जानकारी देने में असमर्थ थे, ऐसे में टीम ने पब्लिक एड्रेस सिस्टम (लाउडस्पीकर) के जरिए लगातार अनाउंसमेंट करवाना शुरू किया। साथ ही, मेले के विभिन्न हिस्सों में तैनात पुलिसकर्मियों को बच्चों

तय फीस से ज्यादा वसूली की तो कार्रवाई, वेबसाइट पर शुल्क बताना अनिवार्य

दूसरे मद में रकम वसूलकर फीस नियमों को दरकिनार करने पर भी रोक

एजेंसी
गुरुग्राम। निजी मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को अब निर्धारित फीस से अधिक राशि वसूले जाने के खिलाफ राहत मिलने की उम्मीद है। हरियाणा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय ने प्रदेश के सभी निजी चिकित्सा शिक्षण संस्थानों को सरकारी शुल्क संरचना का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। संस्थान निर्धारित फीस से अधिक राशि किसी दूसरे मद या नाम से भी नहीं वसूल सकेगे। गुरुग्राम में चिकित्सा और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए भी ये निर्देश महत्वपूर्ण हैं। खासकर दाखिले के समय द्यूशन फीस के अलावा अन्य शुल्कों के नाम पर मांगी जाने वाली राशि को लेकर विद्यार्थियों और अभिभावकों को निर्धारित शुल्क संरचना की



जानकारी रखना जरूरी होगा। चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशक धीरेंद्र खड्गटा की ओर से जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी निजी संस्थान विद्यार्थियों या उनके अभिभावकों से सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अथवा अधिकृत राशि से अधिक शुल्क, जमा या अन्य रकम की मांग नहीं कर सकेगा। यह रोक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह की वसूली पर लागू होगी। निदेशालय ने सभी संबंधित संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि

के हुलिए की जानकारी साझा की गई। एक-एक कर सभी बच्चों को उनके अपनों तक पहुंचाया गया मिशन शक्ति टीम की सुझबूझ और अथक प्रयासों का परिणाम जल्द ही सामने आया। समित्त (12 वर्ष): बारह वर्षीय समित्त को उसकी मां रूपा सिंह के पास सकुशल पहुंचाया गया। समित्त भीड़ में रास्ता भटक गया था, जिसे पुलिस ने तलाश कर उसकी मां से मिलवाया। रचिता (7 वर्ष): सात वर्षीय रचिता अपनी मौसी नीतू के साथ मेला घूमने आई थी। टीम ने रचिता को उसकी मौसी के साथ सकुशल घर वापस भेजा। अंशुल पाठक (1 वर्ष): महज एक साल के मासूम अंशुल पाठक को उसकी मां पंकी के सुपुर्द किया गया। इतने छोटे बच्चे के बिछड़ जाने से उसकी मां का रो-रोकर बुरा हाल था, पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित सौंपकर बड़ी राहत दी। वैष्णवी (3 वर्ष): तीन वर्षीय वैष्णवी को उसकी मां पूनम के हवाले किया गया। मां ने पुलिस टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके जीवन की सभसे बड़ी घबराहत को

पुलिस ने पल भर में दूर कर दिया। ये सभी बच्चे नोएडा के विभिन्न इलाकों के रहने वाले हैं और सप्ताहात पर अपने परिवार के साथ मेला देखने पहुंचे थे। बच्चों के सही सलामत मिल जाने से पूरे परिवार में एक बार फिर खुशी का माहौल लौट आया। पुलिस की अहम अपील: बच्चों को सिखाएं जरूरी बातें इस सफल ऑपरेशन के बाद एसीपी मयंक तिवारी और मिशन शक्ति टीम ने मेले में आए अन्य अभिभावकों और नागरिकों से विशेष संवाद किया। उन्होंने बच्चों के संरक्षकों और माता-पिता को सलाह दी कि वे भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाते समय विशेष सावधानी बरतें। अधिकारियों ने अभिभावकों को समझाया कि वे अपने छोटे बच्चों को घर से निकलते समय उनके माता-पिता का नाम, पूरा पता और कम से कम एक चालू मोबाइल नंबर जुबानी याद कराएं। इसके अलावा, छोटे बच्चों के कपड़ों की जेब में उनके घर का पता और फोन नंबर लिखा हुआ एक परिचय पत्र (आई-कार्ड पर्ची) जरूर रख दें।

तय फीस से ज्यादा वसूली की तो कार्रवाई, वेबसाइट पर शुल्क बताना अनिवार्य

दूसरे मद में रकम वसूलकर फीस नियमों को दरकिनार करने पर भी रोक



सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना को अपनी आधिकारिक वेबसाइट और संस्थान के नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से प्रदर्शित करें। इससे दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी और उनके अभिभावक पहले से ही पाठ्यक्रम की निर्धारित फीस का जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही संस्थानों को विद्यार्थियों से ली जाने वाली प्रत्येक राशि की उचित रसीद जारी करनी होगी और शुल्क वसूली का पूरा रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखना होगा।निर्धारित फीस से बचने या

शुल्क संबंधी नियमों को दरकिनार करने के लिए किसी अन्य नाम या

व्यवस्था के तहत अतिरिक्त राशि नहीं ली जा सकेगी। किसी

विद्यार्थी या अभिभावक पर अनधिकृत शुल्क जमा कराने का दबाव बनाना, उत्पीड़न करना या अनुचित व्यवहार करना भी स्वीकार्य नहीं होगा। निदेशालय ने चेतावनी दी है कि निर्धारित शुल्क संरचना का उल्लंघन करने या उसमें किसी भी प्रकार का विचलन पाए जाने पर संबंधित संस्थान के खिलाफ लागू कानूनों, नियमों और सक्षम प्राधिकारी के आदेशों के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में गुरुग्राम के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए दाखिले के समय निर्धारित फीस की जानकारी लेना, भुगतान की रसीद संभालकर रखना और किसी भी अतिरिक्त वसूली की स्थिति में संबंधित प्राधिकारी के समक्ष शिकायत करना महत्वपूर्ण होगा।

कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस, भाजपा पर बोला तीखा हमला

एजेंसी
गुरुग्राम। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रव्यापी वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत रविवार शाम गुरुग्राम में एक विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। न्यू कॉलोनी क्षेत्र में पूर्व मंत्री स्वर्गीय धर्मवीर गाबा की कोठी से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ भारी संख्या में आम जनता और पार्टी कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। जुलूस के दौरान केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। विरोध मार्च का नेतृत्व हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद राज बब्बर, पूर्व सांसद अशोक तंवर और शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर ने संयुक्त रूप से किया। सभा को संबोधित करते हुए हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि देश में आज जो वोटों की हेराफेरी हो रही है, वह महज वोट की चोरी नहीं बल्कि देश के भविष्य की चोरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव जैसी स्वतंत्र और संवैधानिक संस्था आज सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रही है। हरियाणा और अन्य राज्यों में वोटर लिस्ट में फर्जी नाम जोड़ने और विपक्ष के समर्थकों के वोट काटने की सोची-समझी साजिश रची जा रही है। उन्होंने मांग की कि इस गंभीर मामले की निष्पक्ष जांच हो और मुख्य चुनाव आयुक्त तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें। भाजपा हमेशा वोट चोरी कर सत्ता में आना चाहती है: राव नरेंद्र सिंह प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा कभी भी लोकतांत्रिक तरीकों से चुनाव नहीं



जीतना चाहती, बल्कि वह हमेशा हेरेफेर के सहारे सत्ता हथियाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव से लेकर देश के अनेक हिस्सों तक में सुनिर्वाजित तरीके से लोगों के वोट काटे गए हैं। जब जनता इस नाईयाफी के खिलाफ आवाज उठाती है, तो सरकार एजेंसियों और पुलिस का डर दिखाकर उनकी आवाज दबाने का प्रयास करती है। चुनाव आयोग सरकार का तोता न बने: राज बब्बर पूर्व सांसद राज बब्बर ने कड़े शब्दों में कहा कि चुनाव आयोग को किसी सरकार का कठपुतली या तोता नहीं बनना चाहिए, बल्कि एक शेर की तरह पूरी तरह निष्पक्ष रहकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। गुरुग्राम की सड़कों पर उमड़ी यह भीड़ इस बात का प्रमाण है कि अब देश की जनता अपने अधिकारों के प्रति पूरी तरह जागरूक हो चुकी है।

महानवमी पर नोएडा पुलिस ने गुम मोबाइल बरामद कर 108 लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौटाई

एजेंसी
नोएडा। गुम हुआ मोबाइल किसी के लिए महज एक उपकरण नहीं, बल्कि उससे कई यादें और भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। किसी ने अपनी पहली कमाई से फोन खरीदा था तो किसी को पति और पिता ने तोहफे में दिया था। कुछ लोगों ने किसी पर मोबाइल खरीदा था। ऐसे ही लोगों के चेहरे सोमवार को उस समय खिल उठे, जब गौतमबुद्धनगर पुलिस ने उनके गुम हुए मोबाइल तलाशकर उन्हें वापस सौंपा। पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान 6.0 और मिशन सहयोग के तहत 108 मोबाइल फोन बरामद किए। इनकी अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई गई है। एंडिशनल डीसीपी अभय कुमार मिश्रा ने बताया कि ये मोबाइल फोन नोएडा जोन के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम हुए थे। लोगों ने मोबाइल गुम होने की शिकायत संबंधित थानों में दर्ज कराई थी। इसके बाद सर्विलांस सेल और विभिन्न थानों की पुलिस ने तकनीकी विशेषज्ञ तथा केन्द्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर पोर्टल की मदद से मोबाइल फोन तलाशने का अभियान चलाया। सोमवार को बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए गए। ज्यादातर मोबाइल भीड़भाड़ वाले स्थानों, साप्ताहिक बाजारों और रास्ते में गिर गए थे। कुछ लोग दोपहिवा वाहन चलाते समय या सुबह-शाम टहलने के दौरान मोबाइल खो बैठे थे। वहीं, कई लोगों के फोन आंटे, टेक्सी, बस, मेट्रो और ई-रिक्शा में यात्रा के दौरान हट गए थे। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया। अभियान और पुलिस की कार्रवाई अधिकारियों की निगरानी में चला अभियान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान की निगरानी डीसीपी नोएडा साद मिया खान ने की।

आईसीसी रैंकिंग: जिम्बाब्वे सीरीज जीत के बाद नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की गेंदबाज नंदनी शर्मा और क्रांति गौड़ को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला है। दोनों खिलाड़ियों ने आईसीसी की महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेगन शट, एलिस पेरी और एनाबेल सदरलैंड को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।	फायदा	न्यूजीलैंड की जॉर्जिया लिमर और मैडी ग्रीन को फायदा
नंदनी शर्मा ने लगाई 26 स्थानों की छलांग	भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ ने भी आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार किया है। वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 43वें नंबर पर पहुंच गई हैं। क्रांति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के पहले दोनों मुकाबलों में एक-एक विकेट लिया था। उनकी इस निरंतरता ने रैंकिंग में उनकी स्थिति मजबूत की है और भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के लिए यह सकारात्मक संकेत है।	ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉर्थ सिडनी में खेले गए टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाज जॉर्जिया लिमर और मैडी ग्रीन ने भी रैंकिंग में सुधार किया। लिमर ने नाबाद 85 रन की पारी खेली, जो इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। ग्रीन भी नाबाद रही और दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 162 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट से मुकाबला जीत लिया।
शेफाली वर्मा चौथे स्थान पर बरकरार	भारतीय बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। शेफाली वर्मा बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में केवल 25 गेंदों पर 55 रन की तेजतर्रार पारी खेली थी। वहीं, दीप्ति शर्मा ने पहले टी20 मैच में 37 गेंदों पर 49 रन बनाए, जिसके बाद वह एक स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 37वें नंबर पर पहुंच गईं।	मेगन शट वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचीं बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की सफलता का सबसे बड़ा फायदा तेज गेंदबाज मेगन शट को मिला। उन्होंने तीसरे वनडे में 16 रन देकर चार विकेट लिए और पांच ओवर मेडन डाले। उनकी शानदार गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश की टीम की पारी के दौरान स्कोर



चार विकेट पर 45 रन रहा। शट ने पूरी सीरीज में कुल 10 विकेट लिए और दृष्टि महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गईं।

एनाबेल सदरलैंड और एलिस पेरी की वनडे रैंकिंग में सुधार

ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज एनाबेल सदरलैंड ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद

अर्धशतक लगाया। इसके बाद वह चार स्थान ऊपर चढ़कर महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंच गईं। उनके रेटिंग अंक 642 हो गए हैं। एलिस पेरी भी एक स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की सूची में नौवें नंबर पर पहुंच गईं। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी उन्होंने 14 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 25वां स्थान हासिल किया।

रोनाल्डो का लगा एक माह का प्रतिबंधा और जुर्माना



लिसबन (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पर एक माह का प्रतिबंध लग गया है। ऐसे में वह इस दौरान मैदान से दूर रहेंगे। उनपर इसके साथ ही 285 डॉलर का जुर्माना ली लगाया गया है। पुर्तगाल फुटबॉल एसोसिएशन ने ये प्रतिबंध रोनाल्डो और राष्ट्रीय टीम के कोच जॉर्ज जीसस के बीच बहसबाजी को लेकर लगाया है। इस मामले की जांच में पुर्तगाली फेडरेशन ने रोनाल्डो को दोषी पाया है।

यह मामला पुर्तगाल की नेशनल फुटबॉल टीम के एक कैप का है। इसमें 41 वर्षीय रोनाल्डो टीम में अपनी भूमिका को लेकर कोच से सहमत नहीं थे। पुर्तगाली फेडरेशन की अनुशासनात्मक यूनिट ने इस घटना की जांच की और रोनाल्डो पर लगे आरोपों को पूरी तरह से सही पाया। इसी आधार पर उन पर 30 दिन का प्रतिबंध और 285 डॉलर (तकरीबन 23,700 रुपये) का जुर्माना लगाया गया है।

वहीं रोनाल्डो का आरोप है कि कोच ने उनसे दो बार वादाखिलाफी की। नेशंस लीग में डेनमार्क के खिलाफ अहम मैच से पहले क्रिस्टीयानो रोनाल्डो पुर्तगाल टीम का कैप छोड़कर चले गए थे। उन्होंने

सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाए कि नॉर्वे के खिलाफ उन्हें स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर भी मैदान पर नहीं उतारा गया, और उनके टीम में भूमिका को लेकर कोच अपना वादा दो बार तोड़ चुके थे। वहीं कोच ने अपने पर लगे सभी आरोपों को गलत बताया था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा था कि टीम में रोनाल्डो की वापसी के दरवाजे हमेशा खुले हैं।

फुटबॉल एसोसिएशन ने बताया कि रोनाल्डो ने अनुशासनात्मक नियमों की धारा 160(1) का उल्लंघन किया था। हालांकि बयान में यह खुलासा नहीं किया गया है कि रोनाल्डो का यह 30 दिन का प्रतिबंध किन मैचों पर लागू होगा और किस अवधि के लिए वह निलंबित रहेंगे, या फिर उनका सस्पेंशन पहले ही पूरा हो चुका है। इस अस्पष्टता ने स्थिति को और उलझा दिया है।

वहीं रोनाल्डो के पास इस सजा के खिलाफ अपील करने का अधिकार है। हालांकि, वह इस संबंध में पहले ही माफी मांग चुके हैं और उन्होंने कहा था कि उन्हें पहले से ही किसी न किसी सजा मिलने की उम्मीद थी। 30 दिन के सस्पेंशन और जुर्माने पर उन्होंने कोई व्यक्तिगत प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कैफ ने भुवनेश्वर की वापसी को सही करार दिया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की भारतीय टीम में वापसी को सही करार दिया है। कैफ का कहना है कि भुवनेश्वर भी जसप्रीत बुमराह की तरह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। कैफ ने कहा कि खेल को लेकर चुनून और कठिन अभ्यास उनकी उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर चयन के बारे में ज्यादा सोचने की जगह केवल अपने प्रदर्शन के बल पर ही टीम में अपनी जगह पक्की करते हैं। कैफ के अनुसार जो खिलाड़ी चयन के बारे में अधिक नहीं सोचते उन्हें कम दबाव होता है जिससे वे निराशा से बचते हैं। भुवनेश्वर इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि उनका एकमात्र काम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। कैफ ने भुवनेश्वर के गेंदबाजी कौशल की भी जमकर प्रशंसा की है। वह यॉर्कर, इन-स्विंग, आउट-स्विंग, नकल बॉल और

स्लोअर गेंद से विरोधी को ध्वस्त करते हैं। उन्होंने भुवनेश्वर को एक चालाक और गेंदबाज करार दिया, जो अपनी गेंदबाजी में विविधता से विरोधी बल्लेबाज पर दबाव बनाता है। कैफ ने कहा कि भुवनेश्वर ऐसे खिलाड़ियों में से नहीं हैं जो टीम में जगह न मिलने पर फोन पर चर्चा करते हैं या मीडिया में बयानबाजी करते हैं। उनका मानना ​​है कि ऐसी हरकतें खेल में नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। उन्होंने भुवनेश्वर की समर्पण की भावना को लेकर का कि वह अपने फिजियो और ट्रेनर के साथ नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। कैफ के अनुसार, भुवी अपने काम में कोई लापरवाही नहीं बरतते और यही उनकी सफल वापसी का मुख्य कारण है।वहीं बुमराह से तुलना करते हुए कैफ ने एक चौकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा, जितना स्कॉर्मोरेट बुमराह का टी20 क्रिकेट में है, अतना ही भुवनेश्वर का है।

महिला प्रीमियर लीग नीलामी 2027 में होगी कड़ी प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 2027 सत्र के लिए नीलामी इस माह के अंत में केरल के कोच्चि में होगी। 28 अक्टूबर को होने वाली इस नीलामी में कुल 146 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इस दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी के पास केवल 27 खिलाड़ियों के लिए स्लॉट उपलब्ध हैं, जिससे यह बोली प्रक्रिया बेहद कड़ी रहेगी और इसमें सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ही अवसर मिल सकेगा। हर खिलाड़ी के लिए इस नीलामी के जरिये डब्ल्यूपीएल के आगले संस्करण में अपनी जगह पक्की करने का अवसर रहेगा।

इस नीलामी में बल्लेबाज जी कमलिनी, हरफनमौला स्नेह राणा, ऑस्ट्रेलिया की कप्तान सोफी मोलिन्यू और श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू पर बड़ी बोली लग सकती है। ये अनुभवी खिलाड़ी इस डब्ल्यूपीएल लीग का हिस्सा बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और

27 स्लॉट के लिए 146 खिलाड़ी के बीच है मुकाबला



उम्मीद है कि इन पर जमकर बोली लगेगी। नीलामी सूची में खिलाड़ियों को उनकी श्रेणियों के अनुसार बांटा गया है। इसमें 22 भारतीय कैप्ट खिलाड़ी, 14 विदेशी कैप्ट खिलाड़ी, 97 अनेकैड भारतीय खिलाड़ी और 13 अनेकैड विदेशी खिलाड़ी हैं। ऐसे में फ्रेंचाइजी अपनी टीम की जरूरतों के अनुसार खिलाड़ियों को शामिल कर सकती हैं।

अनुभव और पिछले प्रदर्शन के आधार पर, खिलाड़ियों को विभिन्न वेस प्राइस श्रेणियों में रखा गया है, जिसमें उच्चतम 50 लाख रुपये है। इसके अलावा 40 लाख, 30 लाख, 20 लाख और 10 लाख रुपये की अन्य श्रेणियां भी हैं। यह वर्गीकरण खिलाड़ियों की गुणवत्ता और फ्रेंचाइजी की रणनीतिक जरूरतों को दिखता है। मुंबई इंडियंस द्वारा नीलामी से

स्टार्क ने 775 अंतराष्ट्रीय विकेट पूरे कर बनाया रिकार्ड, विश्व के आठवें गेंदबाज बने

रकेबेर्हा। दक्षिण अफ्रीका के रकेबेर्हा में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही स्टार्क ने अपने अंतराष्ट्रीय करियर के 775 विकेट पूरे कर लिए हैं। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले विश्व के आठवें सबसे सफल तेज गेंदबाज बन गए हैं। मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी के दौरान एक महत्वपूर्ण विकेट लेकर स्टार्क ने यह आंकड़ा छुआ। इस उपलब्धि के साथ ही स्टार्क अंतराष्ट्रीय क्रिकेट के दिग्गज तेज गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गये हैं। तेज गेंदबाजों की सूची में, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव 687 विकेट के साथ 13वें पायदान पर हैं। वहीं, अगर हम सभी प्रकार के गेंदबाजों की बात करें, तो दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले 956 विकेट के साथ अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वहीं अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तेज गेंदबाजों की सूची में, इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 991 विकेट के साथ ही नंबर एक पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा 949 और पाकिस्तान के वसीम अकरम 916 विकेट शामिल हैं। इस विशिष्ट क्लब में 8वें स्थान पर आकर स्टार्क इन खिलाड़ियों की श्रेणी में आ गये हैं। न्यूजीलैंड के टिम साउथी 776 विकेट के साथ स्टार्क से ठीक ऊपर सातवें स्थान पर हैं।



मुख्य चयनकर्ता के तौर पर प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। अजोत अगरकर की जगह पर नये मुख्य चयनकर्ता बने प्रज्ञान ओझा की राह आसान नहीं है। अजोत अगरकर की जगह लेने वाले ओझा के लिए यह भूमिका बिल्कुल भी आसान नहीं होगी। उनकी अध्यक्षता में नई चयन समिति में शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार को शामिल किया गया है। वहीं वनडे विश्व कप में अब जबकि एक साल से भी कम का समय बचा है। उन्हें सभी प्रारूपों के लिए टीम को बेहतर बनाना होगा। चयन समिति को ऐसे खिलाड़ियों का चुनाव करना होगा, जो भारत को सभी फॉर्मेट में विश्व चैंपियन बना सकें। वहीं उन्हें ये भी ध्यान रखना होगा कि विश्व कप में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। बीसीसीआई ने प्रज्ञान ओझा को भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का नया चीफ सिलेक्टर नियुक्त किया है।

उनके लिए सबसे पहली चुनौती रोहित

शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को साधना रहेगा। उन्हें तटस्थ होकर कड़े फैसले लेने होंगे। यह जिम्मेदारी उन्होंने ऐसे समय में संभाली है, जब भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, रोहित शर्मा और विराट कोहली, अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विश्व कप में खेलना चाहते हैं। यदि रोहित शर्मा आगामी एकदिवसीय सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं, तो क्या ओझा उन्हें टीम से बाहर करने जैसा मुश्किल फैसला ले पाएंगे? यह सर्वविदित है कि रोहित के भविष्य को लेकर बीसीसीआई और सभी फॉर्मेट में विश्व चैंपियन बना सकें। वहीं उन्हें ये भी ध्यान रखना होगा कि विश्व कप में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। बीसीसीआई ने प्रज्ञान ओझा को भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का नया चीफ सिलेक्टर नियुक्त किया है।

उनके लिए सबसे पहली चुनौती रोहित

शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को साधना रहेगा। उन्हें तटस्थ होकर कड़े फैसले लेने होंगे। यह जिम्मेदारी उन्होंने ऐसे समय में संभाली है, जब भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज, रोहित शर्मा और विराट कोहली, अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं और अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विश्व कप में खेलना चाहते हैं। यदि रोहित शर्मा आगामी एकदिवसीय सीरीज में रन बनाने के लिए संघर्ष करते हैं, तो क्या ओझा उन्हें टीम से बाहर करने जैसा मुश्किल फैसला ले पाएंगे? यह सर्वविदित है कि रोहित के भविष्य को लेकर बीसीसीआई और सभी फॉर्मेट में विश्व चैंपियन बना सकें। वहीं उन्हें ये भी ध्यान रखना होगा कि विश्व कप में अब एक साल से भी कम का समय बचा है। बीसीसीआई ने प्रज्ञान ओझा को भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम का नया चीफ सिलेक्टर नियुक्त किया है।

उनके लिए सबसे पहली चुनौती रोहित



दूर्गामेट्स में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था और फाइनल तक का सफर तय किया था। ऐसे में प्रज्ञान ओझा को भी टीम से बेहतर प्रदर्शन लेना होगा।

अकरम के शीर्ष पांच पसंदीदा क्रिकेटों में विराट भी शामिल



लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने अपने पसंदीदा शीर्ष पांच क्रिकेटरों में भारत के विराट कोहली को भी शामिल किया है। वहीं हेरानी की बात है कि अकरम ने सुनील गावस्कर जैसे महान खिलाड़ी को इस सूची में जगह नहीं दी है। अकरम ने पहले नंबर पर वेस्ट इंडीज के पूर्व दिग्गज विवियन रिचर्ड्स को रखा है। वहीं नंबर 2 पर वेस्टइंडीज तेज गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस को जगह दी है। नंबर 3 पर अकरम ने अपने ही देश के पूर्व कप्तान इमरान खान और नंबर 4 पर ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबा एडम गिलक्रिस्ट को जगह दी है जबकि पांचवें नंबर पर विराट कोहली को रखा है। अकरम की इस सूची में गावस्कर और तेंदुलकर शामिल नहीं हैं। गौरतलब है कि रिचर्ड्स गुजरे जमाने के सबसे आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। रिचर्ड्स ने टेस्ट में 121 मैच खेलकर कुल 8540 रन बनाए हैं जिसमें 24 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे, वहीं, 187 एकदिवसीय में 6721 रन बनाए जिसमें 11 शतक और 45 अर्धशतक शामिल रहे हैं। टेस्ट में रिचर्ड्स ने 50.23 की औसत के साथ रन बनाए तो वहीं, एकदिवसीय में उन्होंने 47.00 के औसत के साथ रन बनाने में सफलता हासिल की थी। गौरतलब है कि अकरम ने अपने टेस्ट करियर में 104 मैच में कुल 414 विकेट लिए हैं जबकि एकदिवसीय में उनके नाम 356 मैच में कुल 502 विकेट लेने का रिकॉर्ड है।

वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर डरे हुए हैं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज डफी

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के न्यूजीलैंड दौरे को लेकर जहां प्रशंसकों में उत्साह है। वहीं न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी डरे हुए नजर आ रहे हैं। डफी को ये डर 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी को लेकर है। भारतीय टीम 22 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में मेजबान कीवी टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में प्रशंसक वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव ने बहुत कम समय में एक खास पहचान बनाई है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी विस्फोटक पारियों के बाद सीधे भारतीय टीम में जगह बनाई। अब तक खेले गए आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वैभव ने 246 रन बनाये चुका है, जिसमें दो शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं।

वहीं डफी ने वैभव को आईपीएल के दौरान करीब से बल्लेबाजी करते देखा है और वह अच्छे तरह जानते हैं कि जब यह युवा बल्लेबाज अपनी लय में होता है, तो गेंदबाजों के लिए कितनी बड़ी चुनौती पेश करता है। सूर्यवंशी की लगातार आक्रामक बल्लेबाजी की खूबी से डफी थोड़े चिंतित जरूर हैं पर उन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड के हालात वैभव के लिए भी अलग होंगे। डफी आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) में शामिल थे वैभव के बारे में बात करते हुए कहा, वह एक जबरदस्त प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्होंने आईपीएल में जमकर रन बनाये हैं। सबसे कमाल की बात यह है कि वह जोरदार तरीके से मारता है और वह ऐसा लगातार करता है। वह हर मैच में 250 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहा है और वह बहुत कम मौकों पर चूकता है।

यह पहली बार है जब वह न्यूजीलैंड दौरे पर आए हैं, और यहां की परिस्थितियां उनकी क्षमताओं की कड़ी परीक्षा लेंगी। जफी का मानना ​​है कि न्यूजीलैंड की पिचों पर मिलने वाला अतिरिक्त उछाल और गेंद का सीम मूवमेंट युवा बल्लेबाज के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा, यह उसका पहला दौरा है, है ना? मुझे पक्का नहीं पता, भारत के बाहर, शायद वह इंग्लैंड में खेला है। उसके लिए न्यूजीलैंड की परिस्थितियां थोड़ी अलग होंगी तो जाहिर है कि यह उसके लिए एक चुनौती होगी। लेकिन हमने निश्चित रूप से उसके खेल का अच्छी तरह विश्लेषण किया है और हमारे पास योजना है कि उसके खिलाफ क्या करना है। न्यूजीलैंड टीम ने इस युवा भारतीय प्रतिभा के खिलाफ अपनी रणनीति बनाने के लिए पूरा होमवर्क किया है, जिससे यह सीरीज और भी दिलचस्प होने वाली है।



इगा स्वियातेक ने चोट के कारण निंगबो ओपन से नाम वापस लिया



वुहान। छह बार की ग्रैंड स्लेम चैंपियन इगा स्वियातेक ने बाई जांच में लगातार बनी हुई चोट के कारण निंगबो ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। उनके इस फैसले से साल के अंत में होने वाले WTAफाइनल्स में सीधे क्वालीफाई करने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। अब पोलैंड की इस स्टार खिलाड़ी के टूर्नामेंट में खेलने का एकमात्र रास्ता वैकल्पिक खिलाड़ी (ऑटवरनेट) के रूप में प्रवेश करना है।

स्वियातेक को यह चोट वुहान ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान लगी थी, जहां उनका सामना अपनी हमवतन खिलाड़ी माजा च्यालिंस्का से हुआ था। इस हार्ड कोर्ट मुकाबले में चोट के कारण स्वियातेक को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देते हुए निंगबो ओपन से हटने का फैसला किया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेने वालों की सूची में भारत के अश्विन और कुंबले भी शामिल

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 100 रनों से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में भारत के भी दो गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन और अनिल कुंबले शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्राड नंबर एक पर हैं। ब्रांड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 153 विकेट लिए हैं।



और इंग्लैंड के बॉब विलिस ने भी 128-128 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन के नाम 117 विकेट हैं। कई दूसरे गेंदबाजों ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में 100 से ज्यादा विकेट लिए हैं। भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो अश्विन और अनिल कुंबले को ही इस सूची में जगह मिली है। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 114 विकेट लिए, जबकि कुंबले के नाम 111 विकेट हैं। दोनों गेंदबाजों ने अपनी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कई बार हेरान किया है। अश्विन साल 2023 में कुंबले को पीछे छोड़कर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने थे। ऑस्ट्रेलिया जैसी विश्व की शीर्ष टीम के खिलाफ 100 से अधिक विकेट लेकर अश्विन और कुंबले ने भारतीय गेंदबाजों की धाक जमाने के साथ ही युवाओं को प्रेरित भी किया क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी आक्रमण काफी अच्छा माना जाता रहा है।

सोशल मीडिया पोस्ट के कमेंट्स में क्या दूढ़ती थीं हरलीन



एक्ट्रेस हरलीन सेठी ने बातचीत में बताया कि वह अपने गोरे-चिट्ठे भाई से खुद की तुलना करती थीं। रंग को लेकर यह झिझक एक्टिंग में आने के बाद भी उनका पीछा करती रही। 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' के दौरान वह दर्शकों के कमेंट्स में भी अपनी स्किन को लेकर प्रतिक्रिया दूढ़ती थीं। फिर एक वक्त ऐसा आया, जब उन्हें एहसास हुआ कि लोग उन्हें उनके रंग के लिए नहीं, उनके काम के लिए पसंद कर रहे हैं।

मैं डस्की थी और मेरा भाई गोरा-चिट्ठा
हरलीन के मुताबिक, रंग को लेकर उनकी झिझक किसी एक व्यक्ति की कही बात से नहीं आई। वह खुद की दूसरों से तुलना करती रहीं और धीरे-धीरे यह बात उनके मन में बैठ गई। हरलीन ने कहा, 'मुझे लगता है कि ये ज्यादा सेल्फ-इन्फ्लवटेड ही था। जब आप एक तरीके के दिखते हो और आपकी मम्मी एक अलग तरीके की दिखती हैं, तो आपको लगता है कि यार, ये कैसे है? मेरा भाई मेरी मां पर गया था। मेरा भाई भी बहुत सुंदर है। वो एकदम गोरा-चिट्ठा था और मैं डस्की। तो मुझे लगता है कि ये चीज खुद से ही आई।' वह बताती हैं कि बचपन से ही भाई करण के लुक्स की खूब तारीफ होती थी। 'सब उसको कहते थे कि तुम कितना सुंदर हो। हम

कहीं भी जाते थे तो लोग पूछते थे कि यार, तू कब हीरो बन रहा है, तू कब एक्टर है। उसको इतना गुड लुकिंग कहते थे। उसके दिमाग में डाल देते थे कि तुम अच्छे दिखते हो, तुम कैमरे के सामने आ सकते हो मैं खुद को अपनी माँ से कंपेयर करती थी और फिर अपने भाई से। आप पापा के फेवरिट हो और भाई का फेवरिट है। तो एक तो माँ के साथ कंपेयर, ऊपर से भाई वैसे ही सुंदर है और वो भी फेवरिट है। तो बहुत सारी चीजें थीं।'

डर था कि लोग मुझे देखकर क्या कहेंगे
हरलीन ने 29 साल की उम्र में एक्टिंग शुरू की। ऐसे में कैमरे के सामने अपने लुक्स को लेकर वह पहले से ज्यादा कॉन्शस थीं। 'मेरा तो ऐसा भी नहीं था कि बचपन से मुझे पता था कि मुझे एक्टर बनना है, बड़े पर्दे पर आना है। मैंने उस तरीके से कभी एक्टिंग नहीं सीखी। कभी अपने लुक्स का ध्यान नहीं दिया। मैंने बहुत लेट शुरुआत की, 29 पर। आप लड़कियों का करियर ग्राफ देखो जो फिल्मों वगैरह में आती हैं। वो सब 16-17 पर शुरू करती हैं। तो मैं 29 पर शुरू कर रही हूँ। तो कॉन्सासनेस होती है कि क्या आप अच्छे दिखते हो स्कीन पर, आप कैसे दिखते हो।' 'सबसे ज्यादा तनाव इस बात का था कि ब्रोकन में

जब मुझे लोग देखेंगे तो कैसे देखेंगे। मुझे इतना प्यार मिला। लोग मेरी एक्टिंग की तारीफ कर रहे थे। लेकिन मैं उन कमेंट्स और डीएम में दूढ़ती थी कि यार, स्किन के बारे में किसी ने कुछ कहा? इतने प्यार के बीच आज तक मुझे याद नहीं कि एक भी कमेंट मेरी स्किन को लेकर आया हो। वो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। उस समय मैं अपनी मां के सामने रोई। तब मुझे समझ आया कि लोग आपके स्किन, टैलेंट और स्क्रीन पर आपके काम की तारीफ करते हैं। यह सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप कैसे दिखते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह एक बहुत अलग शुरुआत थी। ब्रोकन ने मुझे एक बहुत बड़ी चीज दी।'

इसके बाद हरलीन उम्र और हार्मोनल बदलावों की भी बात करती हैं
'पीसीओडी एक ऐसी चीज है, जो आपकी लाइफस्टाइल से रिलेटेड है। जैसी आपकी लाइफ है, सोना, खाना, पीना, वर्कआउट नहीं करना, बहुत सारी चीजें हैं। तो वो ऊपर-नीचे चलता रहता है। साथ ही, इस उम्र में ये बहुत हार्मोनल भी है। हम जिस एज में जा रहे हैं, गर्ल्स, हार्मोन्स के साथ हर रोज आप अलग दिखते हो। कभी आपकी आँखें पफी हैं, कभी फेस पर वॉटर रिटेंशन है, कभी बॉडी में ब्लोटिंग है।

कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं

हरलीन अब मानती हैं कि एक्टिंग में अपने लुक से ज्यादा किरदार पर ध्यान देना जरूरी है। 'एक कॉमन मैन भी सेल्फी खींचता है तो 10 खिंचता है। 10 में से एक चूज करता है और वो सोशल मीडिया पर डालता है। एक एक्टर के लिए कितना हार्ड है सोचो। अगर आपने एक ही टेक दिया और वो उस एंगल से है जो डायरेक्टर को जाएगा। हो सकता है वो सबसे फ्लैटरिंग न हो, लेकिन सीन के लिए राइट हो। तो ये चीजें आप कंट्रोल नहीं कर सकते। आपको बस ये भूलना पड़ता है कि आप कैसे दिख रहे हो। बस कैरेक्टर के माइंड में रहो। कैमरे पर अच्छा दिखना ही सबकुछ नहीं।'



कुब्रा सैत ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी

अपनी बेबाक राय और बेझिझक अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में एक कार्यक्रम में महिलाओं की आवाज बनने के लिए सम्मानित किए जाने पर महिला सशक्तिकरण को लेकर अपनी बात रखी। महिलाओं की ताकत और उनके संघर्ष करने की क्षमता को सिखाने की जरूरत वाली सोच पर सवाल उठाते हुए अभिनेत्री ने सशक्तिकरण और अपनी शर्तों पर जिंदगी जीने की आजादी को लेकर एक नया नजरिया पेश किया है। कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कुब्रा सैत ने कहा, ऐसे किसी भी मंच से जुड़ना, जो महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है, मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। और ऐसा इसलिए नहीं है कि आज हालात बहुत खराब हैं और महिलाओं को मदद की जरूरत है। मेरा मानना है कि महिलाएं सदियों से साहसी और संघर्षशील रही हैं। अगर कुछ है, तो वह यह कि हमने हमेशा अपने हक और अपनी इच्छाओं के लिए लड़ाई लड़ी है। यह दर्ज किया गया हो या नहीं, लेकिन कहीं न कहीं हम यह मानने लगे हैं कि यह पुरुषों की दुनिया रही है। हालांकि आपके पिछले पैनल में भी देखा कि किस तरह पुरुषों ने हमें वह महिला बनने का अवसर दिया, जो हम बनना चाहते हैं। और खासकर जब यह बात राजनीतिक स्तर पर कही जाती है, तो इसे सुनना बहुत अच्छा लगता है। रही मेरी बात तो मैं यही कहना चाहूंगी कि महिलाओं के सशक्तिकरण की आवाज बनने के लिए सम्मानित होना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। हालांकि, मुझे लगता है कि मुझे बस अपनी जिंदगी जीने, उसे पूरी तरह से अनुभव करने, गलतियां करने से न डरने और खुद के लिए एक बेहतर इंसान बनने की कोशिश करने का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि मैं एक महिला हूँ। फिलहाल अपने इस दमदार बयान के साथ कुब्रा ने बातचीत को एक बार फिर व्यक्तिगत पहचान और स्वतंत्रता की ओर मोड़ दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि सशक्तिकरण केवल महिला होने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी पसंद से जिंदगी जीने, फेसले लेने और अपने अनुभवों के जरिए खुद को समझने की आजादी से भी जुड़ा है।

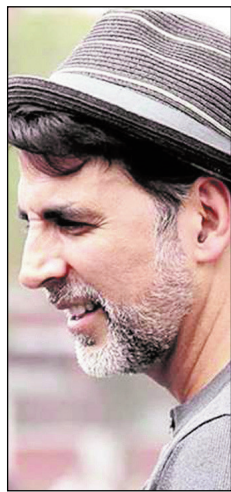


संजय लीला भंसाली की फिल्म 'महाकाल' में साथ दिखेंगे अक्षय और राणा

संजय लीला भंसाली एक भव्य पौराणिक फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'महाकाल' नाम की इस फिल्म में अक्षय कुमार और राणा दग्गुबाती लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता चंद्र मोडेटी को मिलने की बात कही जा रही है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भंसाली को चंद्र का पिछला काम पसंद आया था। चंद्र ने 'कार्तिकेय 2' का निर्देशन किया था, जिसे काफी पसंद किया गया। भंसाली ने इसी वजह से 'महाकाल' के निर्देशन के लिए उनसे संपर्क किया है। 'महाकाल' पौराणिक फिल्म बताई जा रही है। इसकी शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाराणसी में किया जा सकता है। फिल्म में पौराणिक दुनिया के साथ अलौकिक और थ्रिलर एलिमेंट्स भी होने की बात कही जा रही है। इसकी कहानी किसी एक देवता के इर्द-गिर्द नहीं होगी। इसमें हिंदू पुराणों के कई संदर्भों के साथ अलग-अलग दिव्य किरदार देखने को मिल सकते हैं। अक्षय-राणा इससे पहले 'बेबी' में साथ नजर आ चुके हैं।

अभिनेत्री देवीना बनर्जी आगामी रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'तुम मेरे हो' के जरिए फिल्म निर्माता के तौर पर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म बनाने का आइडिया उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी का था, उन्होंने बस उनका साथ दिया है। दरअसल, अभिनेत्री ने पति गुरमीत चौधरी के साथ मिलकर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस 'देवगुरु फिल्मस' शुरू किया है और इस बैनर तले पहली फिल्म 'तुम मेरे हो' रिलीज होने जा रही है। आईएनएस के साथ बातचीत में अभिनेत्री देवीना बनर्जी ने बताया कि उनके पति और अभिनेता गुरमीत चौधरी अपने हिसाब से फिल्में करना चाहते थे, और इसी वजह से उन्होंने खुद की फिल्में बनाने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, 'फिल्म बनाने का आइडिया गुरमीत के दिमाग में आया था। मैं बस उसे देख रही थी और वह काफी बेचैन था, क्योंकि वह जानता था कि उसे किस तरह की फिल्म करनी है। वह एक रोमांटिक हीरो है, लेकिन जब भी उसे ओटीटी या कहीं और काम मिल रहा था, तो उसमें काफी एक्शन होता था। गुरमीत को एक्शन भी पसंद है, लेकिन उसका एक खूबसूरत रोमांटिक साइड भी है। उसकी आँखें, उसका चेहरा सब कुछ बोलता है।



कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ टीवी पर वापसी की

अभिनेत्री कांची कौल ने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के साथ करीब एक दशक बाद टीवी पर वापसी की है। कांची इस नई शुरुआत को लेकर काफी उत्साहित हैं। टीवी पर वापसी के बारे में बात करते हुए कांची ने कहा कि बीते कुछ सालों में जिंदगी को देखने का उनका नजरिया काफी बदल गया है। अब वह पुराने दौर में लौटने के बजाय अपने अनुभवों के साथ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं। कांची ने कहा, 'मेरा मानना है कि आप जहां पहले थे, वहां लौटने और आज जो इंसान बन चुके हैं, उसके रूप में आगे बढ़ने के बीच फर्क होता है। मैं अपने पुराने दौर को दोबारा जीने के लिए वापस नहीं आई हूँ बल्कि एक नए अनुभव का हिस्सा बनने आई हूँ। पिछले एक दशक ने काम, महत्वाकांक्षाओं और जिंदगी को लेकर मेरा नजरिया कई तरह से बदला है और मैं इन बदलावों को काफी अहम मानती हूँ।' उन्होंने कहा, 'पति, पत्नी और पंगा' के जरिए मुझे दर्शकों से एक नए अंदाज में जुड़ने का मौका मिल रहा है और यह मेरे लिए काफी रोमांचक है। जिंदगी के इस पड़ाव पर मैं अपने सफर का आनंद लेना चाहती हूँ, अपनी सहज सोच पर भरोसा करना चाहती हूँ और ऐसे काम चुनना चाहती हूँ

जो वास्तव में मेरे दिल के करीब हों।' करीब 10 साल तक टीवी से दूर रहने के बाद कांची ने 'पति, पत्नी और पंगा' के साथ छोटे पर्दे पर वापसी की है। इस शो में वह अपने पति और अभिनेता शब्बीर अहलवालिया के साथ नजर आ रही हैं। दोनों की जोड़ी को एक बार फिर साथ देखा उनके फैंस के लिए खास है। शो के नए सीजन को सोनाली बेंद्रे बहल और मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें शादीशुदा जिंदगी के रोजमर्रा के अनुभवों को मनोरंजक अंदाज में दिखाया जा रहा है। शो में शामिल कपल्स को कई मजेदार और अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस सीजन में राहुल वैद्य और दिशा परमार, अर्जुन बिजलानी और नेहा स्वामी बिजलानी, शब्बीर अहलवालिया और कांची कौल, दीपिका सिंह और रोहित राज गोयल, दिव्याका त्रिपाठी दहिया और विवेक दहिया, मनोज तिवारी और सुरभि तिवारी के साथ अर्चना पुरन सिंह और परमीत सेठी भी हिस्सा ले रहे हैं। 'पति पत्नी और पंगा' हर शनिवार और रविवार को जियोहॉटस्टार पर प्रसारित होता है।



विवकी कौशल की 'महावतार' में तारा सुतारिया की हो सकती है एंट्री

विवकी कौशल की आगामी पौराणिक फिल्म 'महावतार' की हीरोइन को लेकर चर्चाएं तेज हैं। फिल्म में विवकी के अपोजिट मुख्य भूमिका के लिए तारा सुतारिया का नाम सबसे आगे चल रहा है। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तारा के नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तारा ने भी इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी दिखाई है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान की मैडॉक

फिल्म्स कर रही है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, 'महावतार' की कास्टिंग को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार बदलाव हो रहे हैं। मेकर्स ऐसी एक्ट्रेस की तलाश में हैं, जो फिल्म की भव्य और काल्पनिक दुनिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा सके। वहीं 'छावा' के बाद 'महावतार' विवकी और मैडॉक फिल्म की ये एक और बड़ी फिल्म है।



बाल कहानी

लंगडू लोमड़



■ मीनू गुप्ता

नंदनपुर जंगल में चार दोस्त रहा करते थे-हीरा तोता, चमकू गिलहरी, राजू बंदर और कुक्कू चिड़िया। चारों में बहुत गहरी दोस्ती थी। हीरा कभी मीठे अमरूद या सेब कहीं पा जाता तो वह राजू बंदर और कुक्कू के साथ मिल-बांटकर खाता। गिलहरी भी कहीं से अखरोट लाती तो आते ही उसे राजू बंदर को देती। राजू बंदर उसे तोड़कर सब में बराबर बांट देता। ऐसा ही दूसरे दोस्त भी करते थे। चारों दोस्त एक-दूसरे का पूरा ध्यान रखते थे। कभी कोई बीमार हो जाता, दूसरा उसके बच्चों का ध्यान रखता। उसकी दवा लाता और उसके खाने-पीने का सामान भी लाता। जंगल का राजा शेर भी उनका पूरा सम्मान करता था। वह अपने बच्चों को उनके पास भेजता, जिससे वह उनसे कुछ अच्छी बातें सीख सके। यही हाल हाथी दादा का था। वह उन चारों की दोस्ती से खूब खुश होते। कभी-कभी तो उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर जंगल की सैर करा लाते। उनकी दोस्ती जंगल के लंगडू लोमड़ को अच्छी नहीं लगती थी। जब वह चारों को एक साथ खेलता देखता तो उसके मन में एक ही भावना आती कि कैसे भी इन्हें आपस में लड़ा दे। एक दिन चारों दोस्त जंगल में घूम रहे थे। तभी उन्हें तालाब के पास अमरूद के कई पेड़ दिखाई दिए। इन पर खूब अमरूद लदे थे। कई गिलहरीयां इस डाल से उस डाल पर फुदक रही थीं। हीरा तोते ने जब अमरूद देखे तो उसके मुंह में पानी आ गया। उसने अपने साथियों से कहा कि चलो हम भी चलकर इन अमरूदों का आनंद लें। हीरा के तीनों दोस्तों ने कहा कि किसी के बाग में बिना पूछे जाना अच्छी बात नहीं है।

हीरा ने कहा कि हम रोज थोड़े ही जाते हैं? और जो गिलहरियां यहां हैं, उनसे पूछकर ही तो जाएंगे। हीरा तोते की बात सभी दोस्तों को जम गई। चारों साथी वहां जा पहुंचे। बाहर खेल रही गिलहरियों ने वहां तोता, चिड़िया, बंदर को देखकर पूछा, आप लोग यहां क्यों आए हैं?

हीरा तोते ने कहा, हम जंगल में घूम रहे थे। यहां आए तो देखा कि आपके बाग में अमरूद लगे हैं। आप अगर नाराज न हों तो हम भी थोड़े-से अमरूद ले लें? मीठे अमरूद देखकर उसका मन ललचाने लगा। गिलहरियों ने हीरा तोते की बात पर आपस में चर्चा की। फिर उन्हें अमरूद लेने की अनुमति दे दी। चारों दोस्तों ने पहले तो पेट भरकर अमरूद खाए। बाद में थोड़े-से घर के लिए भी ले लिए। चलते वक्त सभी ने गिलहरियों को धन्यवाद दिया। घर आकर सभी ने अमरूदों को नीम के पेड़ के कोटर में रख दिया। फिर अपने काम में लग गए। जब वे अमरूद रख रहे थे तो उन्हें चोरी से लंगडू लोमड़ देख रहा था। उसने उनके जाने के बाद आधे अमरूद निकाल लिए। दूसरे दिन चारों दोस्तों ने अमरूद खाने के लिए निकाले तो देखकर दंग रह गए। यहां पर तो आधे अमरूद थे ही नहीं। सभी एक-दूसरे को देखने लगे। सभी ने एक-दूसरे से पूछा। पर जब किसी ने लिए हों तब तो हां करता। सभी ने अमरूद लेने से मना कर दिया, फिर एक-दूसरे से जोर-जोर से बोलने लगे।

लंगडू लोमड़ पहले से ही इस इंतजार में था कि उन चारों में झगड़ा हो तो वह उसका मजा ले। उसने उनसे पूछा, अरे कुक्कू क्या हो गया? क्यों झगड़ रहे हो? कुछ नहीं लंगडू लोमड़। कुक्कू ने बात टालनी चाही। नहीं कोई बात तो है, जो तुम चारों लड़ रहे हो? पहले तो मैंने तुम्हें कभी लड़ते नहीं देखा?

अब चमकू गिलहरी ने कहा, लंगडू लोमड़ बात यह है कि हमने कल इस पेड़ के कोटर में अमरूद रखे थे। पर आज आधे हैं ही नहीं। लंगडू लोमड़ ने बनावटी गंभीरता से पूछा, पक्का यहीं रखे थे? हां, हां यहीं रखे थे। दोस्तों को भिड़ाने की चाल से लंगडू लोमड़ ने राजू बंदर की ओर देखकर कहा, राजू, तुमने तो अमरूद नहीं निकाल लिए?

नहीं, मैं क्यों निकालता। हम सभी तो लाए थे एक साथ। फिर वह नाराज होने लगा। नहीं-नहीं, मैं तो ऐसे ही पूछ रहा था। कह कर वह मौका देखकर वहां से खिसक लिया। उसके मन की बात हो गई थी। लंगडू लोमड़ की बात सुनकर सभी एक-दूसरे पर शक करके झगड़ने लगे। थोड़ी देर में वहां से जंगल के राजा शेर का बेटा निकला तो उसने उन चारों को लड़ते देखकर गुर्गुर पूछा, आप सब क्यों लड़ रहे हो?

सभी ने उसे अमरूदों की बात बता दी। साथ ही यह भी बताया कि लंगडू लोमड़ ने उन्हें क्या कहा। शेर के बेटे ने आश्चर्य से उन्हें देखा और फिर एक-एक को अलग-अलग बुलाकर कान में कुछ कहा। उसके बाद सभी उसके पीछे चलने लगे। शेर का बेटा उन्हें लंगडू लोमड़ की खोह के पास ले गया। वहां उन्होंने देखा, लंगडू लोमड़ मजे से अमरूदों का आनंद ले रहा है। शेर के बेटे और चारों दोस्तों को देखकर उसके पसीने छूट गए। सभी उसे देखकर हैरान थे। तभी शेर के बेटे ने लंगडू लोमड़ के गाल पर एक थपड़ मारा और कहा, तू चोरी करके लाया था अमरूद?

लंगडू लोमड़ का दिमाग भन्ना गया। उसकी समझ में ही नहीं आया कि वह क्या उत्तर दे? उसके मुंह से निकला, हां। शेर के बेटे ने उसके गाल पर फिर एक झापड़ रसीद किया। जा, भाग जा यहां से। अब कभी जंगल में नजर मत आना। लंगडू लोमड़ वहां से भाग छूटा। फिर चारों दोस्त माजरा समझ गए और एक-दूसरे से माफ़ी मांगी। सभी ने शेर के बेटे को धन्यवाद दिया, उनकी दोस्ती बचाने के लिए।

हर माता-पिता अपने बच्चे को एक अच्छा व कामयाब ईंसान बनना देखना चाहते हैं। इसकी शुरुआत स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करने से ही होती है। इसके लिए कई पेरेंट्स बच्चों को ट्यूशन वलास भी ज्यादा करवाते हैं जिससे उनका दिमाग तेज हो पाए। मगर आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में कुछ खास बदलाव करके उन्हें एक बेहतर विद्यार्थी बना सकते हैं। चलिए आज हम आपको इससे जुड़े कुछ खास टिप्स बताते हैं...

नियमित रूप से पढ़ना बच्चा सही से पढ़ रहा है या नहीं इसके लिए पेरेंट्स जिम्मेदार होते हैं। इसलिए माता-पिता का फर्ज बनता है कि वे अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही बच्चे के पढ़ाई दौरान उनके साथ बैठें। इससे उन्हें पढ़ाई में मदद मिलेगी और



दूध को एक संपूर्ण आहार माना जाता है, जो हड्डियों व दांतों के लिए बहुत जरूरी होता है, खासकर बच्चों के लिए। दूध बच्चों की हड्डियों में मजबूत ही नहीं बल्कि शरीर विकास में भी मदद करता है लेकिन कुछ बच्चे दूध पीने में आनाकानी करते हैं और मुंह चढ़ाने लगते हैं। ऐसे में मांओं को कुछ अलग सोचना होगा। यहां हम आपको कुछ ट्रिक्स बताएंगे, जिससे बच्चे को दूध पिलाने के लिए डांटने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी और वो दूध भी पी लेगा।

ऐसे पूरी करें कैल्शियम की कमी

अगर बच्चा फिर भी दूध पीने में नखरे दिखाता है तो उनकी डाइट में बादाम बच्चा दूध पीना पसंद नहीं करता तो आप उसे बादाम या आलमंड मिल्क, दही, पनीर, ब्रोकली, नारियल पानी, सोया प्रोडक्ट्स शामिल करें। इससे शरीर में कैल्शियम की कमी भी पूरी होगी और बच्चे स्वस्थ भी रहेंगे।

फेवरेट गिलास में दें बच्चे को दूध

बच्चें दूध न पीने का बहाना ढूंढते रहते हैं। ऐसे में उन्हें कार्टून कारेक्टर गिलास में दूध देकर देखें। हो सकता है कि वो गिलास देखकर दूध पीने लगे।

पसंदीदा फ्लेवर्ड मिल्क पिलाएं

दूध का फ्लेवर चेंज करने के लिए उसमें चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ड्राईफ्रूट्स, कॉर्नफ्लेक्स, चोकोस आदि डाल सकते हैं। इसके अलावा आप दूध में कैंसर, खजूर आदि भी डाल सकते हैं। इससे दूध का स्वाद और पौष्टिक तत्व बढ़ जाएंगे।

हैल्दी ऑप्शन चुनें

बच्चा सिंपल दूध नहीं पीता तो उसे मिल्कशेक, कस्टर्ड, स्मूदी, बॉर्नविटा बनाकर खिलाएं। इससे



विविधा

दूध पीने में करता है बच्चा आनाकानी तो क्या करें?



उन्हें दूध के साथ दूसरे पौष्टिक तत्व भी मिलेंगे।

बच्चे को दूध न हो हजम तो क्या करें?

कुछ बच्चों को दूध हजम नहीं होता और उन्हें पेट में दर्द, गैस, पेट खराब जैसी समस्या होती है। ऐसे में उन्हें हल्दी वाला दूध पिलाएं।

गर्म दूध के बजाए दें कोल्ड मिल्क

बच्चों को गर्म की बजाए ठंडा दूध दें। इसे वो चाव से पी लेंगे और उनकी हड्डियों व दांतों को कैल्शियम भी मिलेगा।



बच्चा हमेशा रहता है चिड़चिड़ा तो फॉलो करें ये टिप्स

कोरोना का असर अभी तक बच्चों की जिंदगियों में देखने को मिल रहा है। अभी तक स्कूल पूरी तरह से ना खुलने के कारण उन्हें ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही है। वहीं बच्चे लंबे समय तक घर पर बंद हैं। इसके कारण कई बच्चों को स्ट्रेस होने से उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। असल में, उन्हें अपनी पर्सनल और स्कूल लाइफ में बैलेंस बनाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे इस मुश्किल दौर में बच्चे का खास ध्यान रखकर उनकी लाइफ में बदलाव लाएं। चलिए आज हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिसकी मदद से आप बच्चे की पर्सनल जिंदगी और स्कूल लाइफ के बीच बैलेंस बना सकती हैं...

एक्टिव रखें : बच्चे घर पर रहकर या ऑनलाइन क्लासिस लगाकर थका-थका महसूस करते हैं। मगर इसमें पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे बच्चे को एक्टिव रखने की पूरी कोशिश करें। इसके लिए आप घर पर ही उसे कोई छोटे-मोटे गेम्स



खिला सकते हैं। ताकि आपका बच्चा एक्टिव रहे। एक्टिव रहने से स्ट्रेस हार्मोन कम होने में मदद मिलती है। ऐसे में आपका बच्चा खुश रहेगा। आप कोरोना गाइलाइन्स का पालन करते हुए कभी-कभाव उसे घर से बाहर भी लेकर जा सकते हैं।

बच्चे से बातचीत करें : बच्चे को एक्टिव व हैपी रखने के लिए आप कभी-कभार फैमिली गेम नाइट आयोजित कर सकते हैं। इसमें आप कुछ आसान सी फिजिकल एक्टिविटीज शामिल कर सकती हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे की पसंद की डिशेज भी रख सकती हैं। इससे आपका बच्चा उस पल को अच्छे से एनर्जी करेगा। साथ ही अपनी चिंता व एंजाइटी को भूल जाएगा।

बच्चे को डाइट का रखें ध्यान : शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से भी बच्चे चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगते हैं। इसलिए बच्चे की डेली डाइट में पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे आपके बच्चे की इम्यूनटी बढ़ेगी। वे दिनभर एनर्जेटिक रहेगा। अगर आपके बच्चे को बाहर का खाना ज्यादा पसंद है तो आप उसे घर पर ही पिज्जा, सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, शैक, स्मूदी आदि हेल्दी चीजें बनाकर खिला सकती हैं। ये सब चीजें आपका बच्चा खुशी-खुशी खाएगा। साथ ही इससे उसकी सेहत को कोई नुकसान भी नहीं सेलना पड़ेगा।

बच्चे का एक रूटीन सेट करें : आप अपने बच्चे का एक रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आपको उसके जागने से लेकर सोने तक का सारा टाइम टेबल सेट करना होगा। इससे बच्चे को इस बात की समझ आएगी कि उसे कब जागना है, कब खाना है, कब खेलना व पढ़ना है। एक रूटीन सेट होने पर वह अपने सारे काम उसी मुताबिक करेगा। ऐसे में उसे एक खुशहाली और ट्रेनश प्री जिंदगी जीने में मदद मिलेगी।

बच्चों में हेमाट्यूरिया प्रकार, कारण, लक्षण व उपचार

बच्चे को अपनी बढ़ती उम्र में कभी छोटी, तो कभी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हीं में से एक है बच्चों में हेमाट्यूरिया। मॉनजंक्शन के इस लेख में हम आपको बच्चों में हेमाट्यूरिया के बारे में विस्तार से बताएंगे। साथ ही यहां हेमाट्यूरिया के प्रकार, कारण और लक्षण के साथ ही उपचार की जानकारी भी मिलेगी। बच्चों में हेमाट्यूरिया को समझने के लिए इस लेख को अंत तक पढ़ें।

सबसे पहले समझिए कि हेमाट्यूरिया क्या होता है।

बच्चों के पेशाब में खून नजर आने की स्थिति को हेमाट्यूरिया कहते हैं। इसकी मात्रा पेशाब में इतनी कम हो सकती है कि बिना माइक्रोस्कोप के नजर ही न आए या फिर खून की वजह से पेशाब का रंग लाल या गुलाबी दिख सकता है। साथ ही पेशाब करने के बाद खून के धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं। हेमाट्यूरिया थोड़े समय के अंतराल में या लगातार हो सकता है। ऐसे में बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाकर इसका कारण जानना और उपचार शुरू करना जरूरी है।

क्या बच्चों के मूत्र में रक्त एक गंभीर समस्या है?

हां, बच्चों के पेशाब में खून आने की समस्या कुछ मामलों में गंभीर हो सकती है। इसे वक्त रहते बढ़ने से रोका जा सकता है। इसके लिए हेमाट्यूरिया के कारण जैसे इंफेक्शन और अन्य समस्या का उपचार करने के साथ ही बच्चे को हाइड्रेट रखना जरूरी है।

हेमाट्यूरिया के प्रकार

हेमाट्यूरिया के बाद हम हेमाट्यूरिया के प्रकार बता रहे हैं। एनसीबीआई की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध में हेमाट्यूरिया दो प्रकार के माने गए हैं।

माइक्रोस्कोपिक हेमाट्यूरिया: इस प्रकार का हेमाट्यूरिया होने पर पेशाब में रक्त कोशिकाएं केवल माइक्रोस्कोप से देखने पर ही नजर आती हैं। इसी वजह से इस प्रकार के हेमाट्यूरिया के बारे में तबतक पता नहीं चलता है, जबतक कि बच्चों का मूत्र परीक्षण नहीं करवाया जाता। यह हेमाट्यूरिया अपर यूरीनरी ट्रेक के घाव जैसे ग्लोमेरुलस या ट्यूब्युलोइंटरस्टिटियम के कारण हो सकता है।

ग्रॉस हेमाट्यूरिया: जब बिना माइक्रोस्कोप की सहायता के भी पेशाब में लाल रक्त कोशिकाएं नजर आती हैं, तो उसे ग्रॉस हेमाट्यूरिया कहते हैं। इस हेमाट्यूरिया के प्रकार में खून की मात्रा पेशाब में इतनी होती है कि उसका रंग लाल, भूरा या गुलाबी दिखने लगता है। आम तौर पर यह हेमाट्यूरिया लोअर यूरीनरी ट्रेक जैसे मूत्राशय और मूत्रमार्ग में होने वाले घाव के कारण हो सकता है।



अगर आपका बच्चा स्ट्रेस महसूस कर रहा हो तो उसके साथ समय गुजारें। उनके साथ बातें करें। उसे समझाएं कि इस तरह गुस्सा करने से उसकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आप उसे खुश रखने के लिए उसका मनपसंद काम कर सकते हैं। इसके अलावा उसकी ऑनलाइन क्लास में उसकी मदद करें।

फैमिली गेम नाइट करें प्लान : बच्चे को एक्टिव व हैपी रखने के लिए आप कभी-कभार फैमिली गेम नाइट आयोजित कर सकते हैं। इसमें आप कुछ आसान सी फिजिकल एक्टिविटीज शामिल कर सकती हैं। इसके अलावा कुछ बच्चे की पसंद की डिशेज भी रख सकती हैं। इससे आपका बच्चा उस पल को अच्छे से एनर्जी करेगा। साथ ही अपनी चिंता व एंजाइटी को भूल जाएगा।

बच्चे को डाइट का रखें ध्यान : शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने से भी बच्चे चिड़चिड़ा स्वभाव करने लगते हैं। इसलिए बच्चे की डेली डाइट में पोषक तत्वों व एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजें शामिल करें। इससे आपके बच्चे की इम्यूनटी बढ़ेगी। वे दिनभर एनर्जेटिक रहेगा। अगर आपके बच्चे को बाहर का खाना ज्यादा पसंद है तो आप उसे घर पर ही पिज्जा, सैंडविच, फ्रूट कस्टर्ड, शैक, स्मूदी आदि हेल्दी चीजें बनाकर खिला सकती हैं। ये सब चीजें आपका बच्चा खुशी-खुशी खाएगा। साथ ही इससे उसकी सेहत को कोई नुकसान भी नहीं सेलना पड़ेगा।

बच्चे का एक रूटीन सेट करें : आप अपने बच्चे का एक रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आपको उसके जागने से लेकर सोने तक का सारा टाइम टेबल सेट करना होगा। इससे बच्चे को इस बात की समझ आएगी कि उसे कब जागना है, कब खाना है, कब खेलना व पढ़ना है। एक रूटीन सेट होने पर वह अपने सारे काम उसी मुताबिक करेगा। ऐसे में उसे एक खुशहाली और ट्रेनश प्री जिंदगी जीने में मदद मिलेगी।

एक दिन (कविता)

मैं तुम्हारे शब्दों की उँगली पकड़ कर चला जा रहा था बच्चे की तरह इधर-उधर देखता हैसता, खिलखिलाता अचानक एक दिन पता चला तुम्हारे शब्द तुम्हारे थे ही नहीं अब मेरे लिए निश्चित होना असंभव था और बड़ों की तरह व्यवहार करना जरूरी।।

अखिलेश्वर पांडेय